website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 262 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 30 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी की जापानी सांसदों के साथ बैठक

-द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर दिया जोर

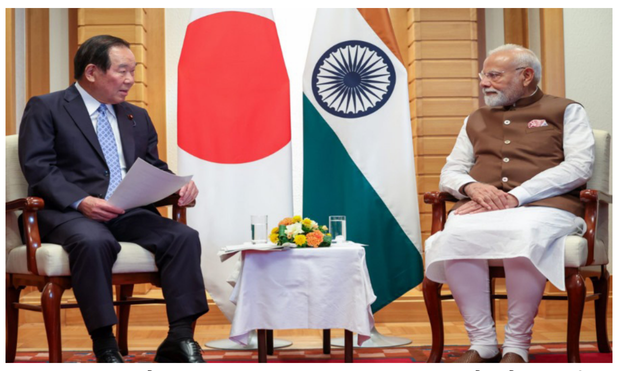

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर जापान में हैं। पीएम मोदी ने अपनी यात्रा के पहले दिन जापान के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष नुकागा फुकुशिरो और जापानी सांसदों के एक समूह के साथ एक बैठक की। इस दौरान उनके बीच भारत और जापान के बीच मजबूत और मैत्रीपूर्ण संबंधों पर चर्चा हुई। उन्होंने इस मुलाकात से संबंधित कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर कीं।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "स्पीकर फुकुशिरो नुकागा और जापान के सांसदों के एक समूह के साथ मेरी एक शानदार बैठक हुई। हमने भारत और जापान के बीच मजबूत और दोस्ताना रिश्तों पर चर्चा की। इस दौरान संसदीय आदान-प्रदान, मानव संसाधन विकास, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, मोबिलिटी पार्टनरशिप, एआई, विज्ञान और तकनीक जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग पर विशेष ध्यान दिया गया।"

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार सुबह टोक्यो पहुंचे। उन्होंने बिजनेस जगत के दिग्गजों से चर्चा के साथ अपने जापान दौरे की शुरुआत की। भारत-जापान इकोनॉमिक फोरम में पीएम मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री इशिबा का आभार व्यक्त किया। इस दौरान, उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा में, जापान हमेशा एक अहम पार्टनर रहा है। मेट्रो से लेकर मैन्युफेक्चरिंग तक, सेमीकंडक्टर से लेकर स्टार्ट-अप्स तक हर क्षेत्र में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक है।

पीएम मोदी ने जापान के मैन्युफैक्चरर्स को भारत में आकर काम करने का न्योता दिया था। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, "मैं आप सबसे आग्रह करता हूं कि आइए, हम 'भारत में बनाएं, विश्व के लिए बनाएं।'"

पीएम मोदी ने मैन्युफैक्चरर्स से कहा कि 'सुजुकी' और 'डाइकिन' की सक्सेस स्टोरीज आपकी भी सक्सेस स्टोरीज बन सकती हैं।

वहीं, अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का जिक्र करते हुए कहा कि जापान 'टेक पावर हाउस' है और भारत एक 'टैलेंट पावर हाउस'। उन्होंने कहा, "भारत ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में साहसिक और महत्त्वाकांक्षी पहल की है। जापान की टेक्नोलॉजी और भारत की टैलेंट मिलकर इस सदी की तकनीकी क्रांति का नेतृत्व कर सकते हैं।"

बिहार कैबिनेट ने 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' को दी मंजूरी

-महिलाओं को मिलेगा रोजगार और आर्थिक मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' को मंजूरी दी गई। इस योजना के तहत राज्य के हर परिवार की एक महिला को अपना रोजगार शुरू करने के लिए सरकार की ओर से 10,000 रुपए की प्रारंभिक आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसका मकसद है कि महिलाएं खुद का काम शुरू करें और अपने परिवार की आमदनी बढ़ा सकें।

अधिकारियों ने बताया कि योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द शुरू होगी और सितंबर से लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे पैसे (DBT) भेजे जाएंगे। योजना के तहत महिला द्वारा शुरू किए गए काम का छह महीने बाद मूल्यांकन किया जाएगा। यदि परिणाम अच्छे रहे तो सरकार उनकी मदद को आगे बढ़ाते हुए 2 लाख रुपए तक की अतिरिक्त आर्थिक सहायता भी देगी।

महिलाओं को अपने बनाए सामान या सेवाओं को बेचने का अवसर देने के लिए राज्य सरकार गांवों, कस्बों और शहरों में हाट-बाजार स्थापित करेगी। इससे उन्हें ग्राहकों तक पहुंचने और अपने रोजगार को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। सरकार का मानना है कि यह योजना न केवल महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी बल्कि परिवार की आय बढ़ाएगी, जीवन स्तर में सुधार लाएगी और बिहार से होने वाले पलायन को भी कम करेगी।

वहीं जेडीयू (JD-U) के विधान परिषद सदस्य (MLC) नीरज कुमार ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा, "2005 से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के लिए कई कदम उठाए हैं, जैसे सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण देना और जीविका समूहों को मजबूत करना। यह नई योजना महिलाओं को और अधिक आत्मनिर्भर बनाएगी।"

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम राजभवन में ब्रह्मपुत्र विंग का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गुवाहाटी स्थित असम राजभवन के नवनिर्मित 'ब्रह्मपुत्र विंग' का वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच उद्घाटन किया। 41 करोड़ की लागत से निर्मित इस भवन में ब्रह्मपुत्र नद के मनोहारी परिवेश में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इस परिसर में मिलेंगी यह सुविधाएं

इस नवनिर्मित परिसर में राज्यपाल कार्यालय, अतिरिक्त आयुक्त कार्यालय, सम्मेलन कक्ष, प्रतीक्षा कक्ष, पुस्तकालय, राज्यपाल सूट और प्रेसिडेंशियल सूट जैसी सुविधाएं हैं। इस अवसर पर असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, असम के पूर्व राज्यपाल तथा वर्तमान पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, पूर्व राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित, प्रो. जगदीश मुखी, असम सरकार में मंत्री रंजीत कुमार दास सहित राज्य के मुख्य सचिव रवि कोटा समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्घाटन से पूर्व अमित शाह ने गौ पूजन किया और राजभवन प्रांगण में पौधा भी रोपा। इस अवसर पर उनके साथ मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, वरिष्ठ मंत्री रंजीत दास समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

कई अन्य परियोजनाओं का भी किया उद्घाटन

गृह मंत्रालय के अधीन कई अन्य परियोजनाओं का भी गृहमंत्री ने उद्घाटन किया, जिनमें देरगांव स्थित लचित बरफूकन पुलिस अकादमी में नेशनल साइबर फॉरेंसिक लैबोरेटरी, गुवाहाटी में एसएसबी परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त आधुनिक आवासीय परियोजना, सोनापुर स्थित आईटीबीपी की 33वीं बटालियन के लिए 360 जवानों की बैरक, मेस और 10 शैय्या वाला अस्पताल, असम राइफल्स के लिए आईजी मुख्यालय, सिलचर में नई यूनिट और जोरहाट सेंटर (आवासीय एवं प्रशासनिक) परियोजना शामिल हैं।

ज्ञात हो कि है कि इस कार्यक्रम के बाद अमित शाह सीधे खानापाड़ा फील्ड रवाना हुए, जहां एनडीए पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किया गया।

कटरा भूस्खलन: श्री माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा अस्था यी रूप से स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू में लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद श्री माता वैष्णो देवी यात्रा लगातार शुक्रवार को चौथे दिन भी स्थगित रही। श्री माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा मार्ग पर भूस्खलन के बाद यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई है। श्राइन बोर्ड ने एक घोषणा करके श्रद्धालुओं को सूचित किया कि मार्ग पर मरम्मत कार्य चल रहा है। इसके कारण, तीर्थयात्रा अगले दो-तीन दिनों तक स्थगित रहेगी।

भारी बारिश के बीच श्री माता वैष्णो देवी यात्रा रूट पर मंगलवार को भूस्खलन की घटना हुई थी। अर्धकुवारी के नजदीक पहाड़ी से गिरे पत्थरों और मलबे ने रूट को प्रभावित किया। हादसे में बहुत से लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल, भूस्खलन और भारी बारिश के बाद श्री माता वैष्णो देवी यात्रा रोक दी गई है। फिलहाल, भूस्खलन और भारी बारिश के बाद श्री माता वैष्णो देवी यात्रा रोक दी गई है।

वहीं, हादसे के तुरंत बाद बचाव दल, एनडीआरएफ, श्राइन बोर्ड के कर्मचारी और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया था।

भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने कटरा में वैष्णो देवी मंदिर के पास हुए भूस्खलन के बाद राहत और बचाव कार्यों में सहायता के लिए कदम बढ़ाया था।

इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री माता वैष्णो देवी मंदिर रूट पर भूस्खलन के कारण मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की थी। साथ ही, पीएम मोदी ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कटरा स्थित एसएमवीडी नारायणा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में भूस्खलन में घायल हुए श्रद्धालुओं से मुलाकात की थी और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों से सर्वोत्तम संभव उपचार सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वर्ष 2014 में आई बाढ़ की तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, "2014 की बाढ़ की दो तस्वीरें और 2025 की बाढ़ की दो तस्वीरें। लगभग एक ही जगह और लगभग एक जैसा नुकसान। 2014 की बाढ़ से हमने क्या सीखा?

जम्मू-कश्मीर के समरोली के तोल्डी नाला क्षेत्र में बंट गांव में तवी नदी पर बना पुल कल भारी बारिश के बाद नदी में आए उफान के कारण पूरी तरह बह गया, जिससे 20 से अधिक गांवों और 10 पंचायतों के 50,000 से अधिक निवासियों का जीवन प्रभावित हुआ है।

वहीं, उधमपुर उपायुक्त सलोनी राय ने मीडिया को बताया कि मौसम संबंधी आपदा ने राष्ट्रीय राजमार्ग 44 को बहुत नुकसान पहुंचाया है, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, नागरिक प्रशासन, पुलिस और यातायात प्रशासन की टीमों को तैनात किया गया है। बहाली का काम जोरों पर है। कल शाम तक सब कुछ बहाल करने की कोशिश की जा रही है। इस प्रगति की निगरानी LG और CM भी कर रहे हैं। हम आवश्यक सेवाओं तक पहुंच देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, हम अनुरोध करते हैं कि बाकी लोग इस समय इस राजमार्ग पर यात्रा करने से बचें।

केंद्र ने कपास पर आयात शुल्क छूट को 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का कपड़ा उद्योग, देश का दूसरा सबसे बड़ा रोज़गार प्रदान करने वाला क्षेत्र उच्च गुणवत्ता वाले कपास तक नियमित पहुंच चाहता है। मांग-आपूर्ति के निरंतर अंतर को देखते हुए, सरकार ने कपास पर आयात शुल्क छूट को 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ा दिया है। भारत के कुल वस्त्र निर्यात में सूती वस्त्र निर्यात का हिस्सा 33% है, जिससे कपास की निरंतर मांग में मदद मिलती है और किसानों को सीधे लाभ होता है। विभिन्न कपडा संघों ने कपास की सभी किस्मों को 31 दिसंबर 2025 तक आयात शुल्क में 11% छूट देने के सरकार के कदम का स्वागत किया है।

वस्त्र मंत्रालय ने गुरुवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा अधिसूचित इस निर्णय से सूत, कपड़ा, परिधान और मेड-अप सहित संपूर्ण कपड़ा मूल्य श्रृंखला के इनपुट लागत में स्थिरता आने की उम्मीद है, जिससे निर्माताओं और उपभोक्ताओं, दोनों को राहत मिलेगी।

यह रणनीतिक हस्तक्षेप यह सुनिश्चित करता है कि कपड़ा क्षेत्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहे और साथ ही घरेलू कपास किसानों के हितों की रक्षा भी हो। अधिकांश आयात विशिष्ट औद्योगिक आवश्यकताओं या ब्रांड-लिंक्ड निर्यात अनुबंधों को पूरा करते हैं और घरेलू कपास का स्थान नहीं लेते ।

किफायती, उच्च-गुणवत्ता वाला कपास निर्यात बाज़ारों में भारत की स्थिति मज़बूत करता है, जिससे छोटे और मध्यम उद्यमों के साथ-साथ निर्यात-उन्मुख इकाइयों के लिए ऑर्डर फिर से बढ़ रहे हैं। कपड़ा-परिधान मूल्य श्रृंखला 4.5 करोड़ से ज़्यादा लोगों को रोज़गार देती है, और रोज़गार के अवसरों में कमी रोकने और उद्योग के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए कपास की स्थिर आपूर्ति बेहद ज़रूरी है।

वहीं, कच्चे माल की निरंतर आपूर्ति से उच्च-मूल्य वाले कपड़ों और परिधानों के उत्पादन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे सरकार के 'मेक इन इंडिया' और घरेलू विनिर्माण लक्ष्यों को बल मिलेगा।

ज्ञात हो, भारतीय कपास निगम लिमिटेड (सीसीआई) द्वारा संचालित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था के माध्यम से किसानों के हितों की रक्षा की जाती है, जो यह सुनिश्चित करती है कि किसानों को उनकी उत्पादन लागत से कम से कम 50% अधिक मूल्य प्राप्त हो। आयातित कपास अक्सर विशिष्ट औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करता है और घरेलू कपास का विकल्प नहीं बनता। अधिकांश आयात कम उत्पादन या जब घरेलू स्टॉक अपर्याप्त होता है की अवधि के दौरान होता है, जिससे घरेलू खरीद के उच्चतम समय में प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है।

सरकार कपास की कीमतों पर कड़ी नज़र रखती है और आवश्यकतानुसार सुरक्षा उपाय लागू करने की लचीलापन बनाए रखती है।

अप्रैल-अक्टूबर 2024-25 के दौरान भारत के कुल कपड़ा और परिधान निर्यात में सूती वस्त्र निर्यात का लगभग 33% हिस्सा था, जिसका मूल्य 7.08 अरब अमेरिकी डॉलर था, जिससे यह रेडीमेड परिधानों के बाद दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता बन गया। कपड़ा उद्योग द्वारा 95% घरेलू कपास की खपत के साथ, शुल्क छूट से अप्रत्यक्ष रूप से किसानों को लाभ होने की उम्मीद है क्योंकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा मिलों को कपास किसानों को बेहतर मूल्य देने में सक्षम बनाती है।

सरकार उद्योग जगत को एकतरफा कार्रवाई से बचाने के लिए प्रतिबद्ध- पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि सरकार देश के निर्यात को बढ़ावा देने को लेकर घरेलू एवं वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए जल्द ही कई कदम उठाएगी। सरकार उद्योग जगत को एकतरफा कार्रवाई से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वाणिज्य मंत्रालय नए अवसरों के द्वार खोलने के लिए दुनिया भर के भागीदारों से कर रहा संपर्क

मंत्री गोयल ने यहां भारत बिल्डकॉन 2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि उद्योग जगत को कुछ देशों की एकतरफा कार्रवाइयों से उत्पन्न अनावश्यक तनाव या कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। उन्होंने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से उन क्षेत्रों पर प्रकाश डालने का आग्रह किया, जहां वैकल्पिक बाजारों की आवश्यकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वाणिज्य मंत्रालय नए अवसरों के द्वार खोलने के लिए दुनिया भर के भागीदारों से संपर्क कर रहा है।

वैश्विक पहुंच के साथ-साथ घरेलू खपत को बढ़ावा देना भी प्राथमिकता

वाणिज्यर मंत्री ने जोर देकर कहा कि वैश्विक पहुंच के साथ-साथ घरेलू खपत को बढ़ावा देना भी प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आगामी जीएसटी परिषद की बैठक में ऐसे उपाय सुझाए जाने की उम्मीद है, जो मांग को तेज़ी से बढ़ाएँगे और घरेलू विनिर्माण को मज़बूत बढ़ावा देंगे। गोयल ने कहा कि ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा और कतर भी भारत के साथ ऐसे समझौते पर बातचीत करने को इच्छुक है।

विकसित देशों के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौतों के बढ़ते नेटवर्क पर डाली रोशनी

गोयल ने ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, लिकटेंस्टीन, आइसलैंड और यूके सहित विकसित देशों के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौतों के बढ़ते नेटवर्क पर प्रकाश डाला और यूरोपीय संघ एवं अन्य देशों के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि ये समझौते निर्माण, इस्पात और संबद्ध क्षेत्रों जैसे भारतीय उद्योगों के लिए वैश्विक अवसरों के द्वार खोलेंगे।

उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं को भारत बिल्डकॉन 2026 को एक आत्मनिर्भर, उद्योग-प्रधान पहल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर सरकारी सहायता भी उपलब्ध हो। गौरतलब है कि 29 अप्रैल से 2 मई, 2026 तक यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भारत बिल्डकॉन को भवन एवं निर्माण सामग्री उद्योग के लिए भारत के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में स्थापित किया जा रहा है।

देहरादून-हैदराबाद फ्लाइट में तकनीकी खराबी, जयपुर एयरपोर्ट पर प्रायोरिटी लैंडिंग

जयपुर। देहरादून से हैदराबाद जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6E-423 गुरुवार शाम टेक ऑफ के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी का शिकार हो गई। पायलट ने स्थिति को संभालते हुए जयपुर एयरपोर्ट पर प्रायोरिटी लैंडिंग करवाई। करीब 7 बजकर 28 मिनट पर फ्लाइट सुरक्षित जयपुर एयरपोर्ट पर उतारी गई।

होटल में ठहराए गए पैसेंजर्स

इंडिगो एयरलाइंस ने तत्काल पैसेंजर्स को होटल में ठहराने की व्यवस्था की। हालांकि, खराबी को 16 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी दुरुस्त नहीं किया जा सका। शुक्रवार सुबह तक भी एयरक्राफ्ट ठीक नहीं हो पाया, जिसके बाद एयरलाइन ने विमान को जयपुर में ही ग्राउंड कर पैसेंजर्स को हैदराबाद भेजने के लिए ऑप्शनल फ्लाइट की व्यवस्था की।

कनेक्टिंग फ्लाइट छूट गई कई यात्रियों की

फ्लाइट में सवार यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा। कई पैसेंजर्स को हैदराबाद से दूसरी कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़नी थी, लेकिन समय पर न पहुंच पाने के कारण उनका सफर प्रभावित हुआ।

इंजन में आई खराबी, बाहर से मंगाए जा रहे पार्ट्स

जयपुर एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, विमान के इंजन में तकनीकी खराबी आई थी। इसे ठीक करने के लिए कुछ जरूरी टेक्निकल पार्ट्स बाहर से मंगाए जा रहे हैं। उनके आने के बाद ही विमान को फिर से उड़ान के लिए तैयार किया जा सकेगा।

ओवैसी का पलटवार- महिलाओं पर 3 बच्चों का बोझ न डालें

-RSS निजी जीवन में दखल क्यों दे रही

नई दिल्ली। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने संघ प्रमुख मोहन भागवत के 'तीन बच्चों' वाले बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। शुक्रवार को ओवैसी ने कहा कि भारतीय महिलाओं पर 3 बच्चों का बोझ डालना गलत है और यह उनका निजी मामला है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिरकार आरएसएस को लोगों के परिवार और निजी जीवन में दखल देने का क्या हक है।

भागवत ने दिया था 3 बच्चों वाला बयान

दरअसल, 28 अगस्त को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में मोहन भागवत ने कहा था कि परिवारों में तीन बच्चे होने चाहिए, लेकिन इससे अधिक नहीं। उनका कहना था कि इससे समाज में संतुलन और विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जन्म दर में गिरावट आ रही है और हिंदुओं में यह गिरावट तेज है।

ओवैसी का आरोप- RSS फैला रही नफरत

ओवैसी ने आरएसएस पर हमला बोलते हुए कहा कि संघ और उससे जुड़े संगठन मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैला रहे हैं। उन्होंने 2011 की जनगणना का हवाला देते हुए कहा कि मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि दर घटकर 14.23% रह गई है, जबकि हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 80% है।

बीजेपी पर सीधा वार- जनता सत्ता से बाहर करे

आगामी चुनावों को लेकर ओवैसी ने कहा कि अब जनता को बीजेपी को सत्ता से बाहर कर राजनीतिक रिटायरमेंट देनी चाहिए। उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत पर भी बयान देते हुए कहा कि यह विचार सबसे पहले 1937 में हिंदू महासभा के नेता वी.डी. सावरकर ने रखा था, बाद में 1940 में मुस्लिम लीग ने इसे अपनाया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

तकनीकी नवाचार में बढ़े महिलाओं की भागीदारी

आज के समय में जब देश और दुनिया तेजी से तकनीकी क्रांति की ओर बढ़ रहे हैं, ऐसे में यह सवाल बहुत अहम हो जाता है कि विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में महिलाओं की कितनी हिस्सेदारी है। हाल ही में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में दाखिले से जुड़ी जो रिपोर्ट सामने आई है, उसने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। आईआईटी कानपुर की ओर से जारी जॉइंट इंप्लीमेंटेशन कमेटी (जेआईसी) की रिपोर्ट बताती है कि इस साल जेंडर न्यूट्रल श्रेणी में सिर्फ 31 महिला अभ्यर्थियों को ही प्रवेश मिल सका है। यह आंकड़ा 18,188 कुल सीटों का मात्र 0.17 प्रतिशत है। यह स्थिति साफ दर्शाती है कि इंजीनियरिंग और तकनीक अब भी समाज में पुरुष प्रधान क्षेत्र माने जाते हैं और महिलाओं को इसमें आगे बढ़ने का पर्याप्त अवसर या प्रोत्साहन नहीं मिल पाता। यह स्थिति इसलिए और भी गंभीर हो जाती है क्योंकि महिलाएं अपनी क्षमता का लोहा हर क्षेत्र में मनवा चुकी हैं। चाहे युद्ध का मैदान हो, खेल का मंच हो या फिर प्रशासनिक सेवाएं, महिलाएं हर जगह सफलता का परचम लहरा रही हैं। इसके बावजूद जब तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान की बात आती है तो उनकी भागीदारी बेहद सीमित दिखाई देती है। ऐसा नहीं है कि महिलाओं में क्षमता की कमी है, बल्कि समस्या सामाजिक मानसिकता और संरचनात्मक असमानताओं की है। परिवार और समाज अक्सर लड़कियों को परंपरागत विषयों या सुरक्षित समझे जाने वाले पेशों की ओर मोड़ देते हैं। विज्ञान, तकनीक और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में उन्हें करियर बनाने के लिए प्रेरित नहीं किया जाता। यूनेस्को की ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग रिपोर्ट भी इस वास्तविकता की पुष्टि करती है। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक स्तर पर विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की हिस्सेदारी सिर्फ 35 प्रतिशत है। यह आंकड़ा यह साबित करता है कि यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि पूरी दुनिया इससे जूझ रही है। हालांकि भारत में यह अनुपात और भी कम नजर आता है। यहां तक कि जब महिलाएं इन विषयों का अध्ययन करती भी हैं, तब भी उन्हें नौकरी और शोध के अवसरों में भेदभाव का सामना करना पड़ता है। जरूरत इस बात की है कि समाज में यह धारणा बदली जाए कि इंजीनियरिंग या तकनीकी क्षेत्र केवल पुरुषों के लिए बने हैं। इसके लिए परिवार से लेकर शिक्षा संस्थानों तक हर स्तर पर माहौल को सहायक बनाना होगा। स्कूल स्तर से ही लड़कियों को विज्ञान और गणित की पढ़ाई में प्रोत्साहन मिलना चाहिए। अभिभावकों और शिक्षकों को यह समझना होगा कि लड़कियां भी तकनीकी नवाचार में उतनी ही सक्षम हैं जितने लड़के। सरकार और संस्थानों को भी छात्रवृत्तियों, विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों और मेंटरशिप योजनाओं के जरिए महिलाओं को आगे लाने की ठोस कोशिश करनी चाहिए। आज जब देश आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों के जरिए वैश्विक तकनीकी दौड़ में शामिल होने की तैयारी कर रहा है, तो उसमें महिलाओं की बराबर की भागीदारी बेहद जरूरी है।

ट्रंप टैरिफ: घरेलू और बाहरी दोनों ही मोर्चों पर करने होंगे मजबूत प्रयास

-भारत-अमेरीका के आर्थिक समीकरण: अस्थायी झटका या स्थायी दरार?

विश्व व्यापार के परिदृश्य में पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह भू-राजनीतिक तनाव, संरक्षणवाद और आर्थिक राष्ट्रवाद हावी हुआ है, उसने मुक्त व नियम-आधारित व्यापार की नींव को गहराई से झकझोर दिया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियाँ इसी प्रवृत्ति का सबसे प्रखर उदाहरण रही हैं। "अमेरिका फर्स्ट" की सोच के तहत उन्होंने अपने घरेलू उद्योगों और रोजगार को सुरक्षित करने के नाम पर कई देशों पर भारी-भरकम टैरिफ (आयात शुल्क) लगाए। भारत, जो अमेरिका का सबसे बड़ा निर्यात साझेदारों में से एक है, इन टैरिफ नीतियों से अछूता नहीं रह सका। ट्रंप टैरिफ भारत के लिए केवल आयात-निर्यात का तकनीकी विवाद नहीं है, बल्कि यह उसकी प्रतिस्पर्धात्मकता, रोजगार और रणनीतिक स्वायत्तता की एक साथ परीक्षा है। यह स्थिति बताती है कि अब वैश्विक व्यापार में नियम-आधारित संस्थाओं (जैसे WTO) की जगह भू-राजनीति और चुनावी हित निर्णायक हो गए हैं। भारत को इस चुनौती का सामना घरेलू सुधारों और अंतरराष्ट्रीय रणनीति दोनों स्तरों पर करना होगा। सवाल यह है कि ट्रंप टैरिफ भारत-अमेरिका संबंधों में अस्थायी झटका है या

स्थायी दरार का संकेत?

ट्रंप टैरिफ का उद्भव और पृष्ठभूमि

ट्रंप प्रशासन का केंद्रीय नारा था – "Make America Great Again"। इसे साकार करने के लिए उन्होंने संरक्षणवादी नीतियों पर जोर दिया। उनका तर्क था कि सस्ती चीनी और एशियाई वस्तुओं ने अमेरिकी उद्योगों और कामगारों को नुकसान पहुँचाया है। इसी सोच के तहत ट्रंप ने स्टील और एल्युमिनियम पर 25% और 10% तक टैरिफ लगाया। यही नहीं, चीन के खिलाफ तो उन्होंने टैरिफ वॉर छेड़ दिया। लेकिन इसके बीच भारत भी फँस गया। अमेरिका को भारत से होने वाला निर्यात कई श्रेणियों में सीधा प्रभावित हुआ। विशेषकर वस्त्र-परिधान, जेम्स-एंड-ज्वैलरी, लेदर, सी-फूड और ऑटो कंपोनेंट्स जैसे क्षेत्र, जो भारत के श्रम-प्रधान उद्योगों की रीढ़ हैं, टैरिफ की मार झेलने लगे। इन क्षेत्रों में भारत को लागत के हर कदम पर प्रतिस्पर्धा करनी होती है। जहाँ 2-3% की भी बढ़त निर्णायक होती है, वहाँ 25% या 50% तक की शुल्क वृद्धि बाजार को ध्वस्त कर देती है। ट्रंप का मकसद भले चीन को घेरना था, लेकिन प्रभाव पूरे एशिया, यूरोप और खासकर भारत पर भी पड़ा।

भारत-अमरीकाव्यापार समीकरण

अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। 2024-25 तक का आँकड़ा देखें तो भारत का कुल निर्यात लगभग 460 अरब डॉलर रहा, जिसमें से अमेरिका को लगभग 90 अरब डॉलर का निर्यात हुआ। भारत से अमेरिका को सबसे ज्यादा निर्यात होने वाली चीजें हैं –

आईटी सेवाएँ और सॉफ्टवेयर
दवाइयाँ और फार्मास्यूटिकल्स
हीरे-जवाहरात
वस्त्र व रेडीमेड गारमेंट्स
लेदर उत्पाद
कृषि व समुद्री उत्पाद

इनमें आईटी और फार्मास्यूटिकल्स तो अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं, क्योंकि इन पर टैरिफ का सीधा असर नहीं पड़ता। लेकिन श्रम-प्रधान क्षेत्रों में टैरिफ बढ़ोतरी ने प्रतिस्पर्धा लगभग असंभव बना दी। यही कारण है कि जब अमेरिकी बाजार में टैरिफ बढ़े, तो अमेरिकी खरीदारों ने भारत से ऑर्डर कम करना शुरू किया और "वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं" की तलाश तेज हो गई। बांग्लादेश, वियतनाम, मैक्सिको और तुर्की जैसे देश इसका फायदा उठा रहे हैं।

रोजगार और उपभोक्ता विश्वास पर असर

भारत का श्रम-प्रधान निर्यात सेक्टर करोड़ों लोगों को रोजगार देता है। उदाहरण के लिए – वस्त्र उद्योग में लगभग 4.5 करोड़ लोग कार्यरत हैं। लेदर व फुटवियर में करीब 30 लाख लोग। जेम्स-एंड-ज्वैलरी उद्योग में 50 लाख से ज्यादा लोग। इनमें अधिकांश एमएसएमई क्लस्टर्स हैं, जहाँ छोटे-छोटे निर्यातक काम करते हैं। टैरिफ बढ़ने से ऑर्डर घटते हैं, तो सबसे पहले यही छोटे उद्योग प्रभावित होते हैं। उपभोक्ता स्तर पर भी असर गहरा है। अमेरिकी ग्राहक जब देखते हैं कि भारतीय माल महँगा हो गया है और सप्लाई अनिश्चित है, तो वे भरोसा खो देते हैं। यह "विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता" की छवि को धूमिल करता है। यही अविश्वास ऑर्डर-रीरूटिंग को तेज करता है, और कुछ ही महीनों में इसका असर भारतीय निर्यात पर साफ दिखाई देने लगता है।

रणनीतिक स्वायत्तता बनाम व्यापारिक दबाव

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह केवल आर्थिक दबाव में आकर अपनी रणनीतिक स्वायत्तता न खो दे। अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से तेल आयात कम करे, चीन के खिलाफ कठोर रुख अपनाए और अपनी सप्लाई चेन को पूरी तरह पश्चिम के साथ जोड़ ले। लेकिन भारत की ज़रूरतें अलग हैं। भारत को सस्ता रूसी तेल चाहिए। चीन से प्रतिस्पर्धा करनी है, परंतु व्यापारिक वास्तविकता यह है कि चीन से आयात भी बहुत बड़ा है। अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी जरूरी है, परंतु हर बार अमेरिकी राजनीतिक सनक का शिकार होना भी भारत को स्वीकार्य नहीं हो सकता। यही वजह है कि भारत "संतुलन साधने" की रणनीति अपनाता है। लेकिन जब टैरिफ जैसे झटके आते हैं, तो यह संतुलन कठिन हो जाता है।

घरेलू मोर्चे पर जरूरी सुधार

भारत यदि टैरिफ झटकों से उबरना चाहता है तो घरेलू स्तर पर कई सुधार करने होंगे – उत्पादन लागत घटाना – बिजली, लॉजिस्टिक्स और टैक्स में राहत देकर निर्यातकों की लागत कम करनी होगी। इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार – पोर्ट, एयर कार्गो और सड़क नेटवर्क को आधुनिक बनाना। एमएसएमई को सहयोग – वित्तीय सहायता, आसान ऋण और निर्यात बीमा। तकनीकी उन्नयन – आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन और स्किल अपग्रेडेशन से गुणवत्ता सुधार। नीतिगत स्थिरता – बार-बार बदलते टैक्स और नीतियों से निर्यातक असुरक्षित महसूस करते हैं, इन्हें स्थिर करना होगा।

बाहरी मोर्चे पर भारत की रणनीति

भारत केवल अमेरिका पर निर्भर नहीं रह सकता। उसे नए बाजार तलाशने होंगे – यूरोपियन यूनियन : जहाँ टिकाऊ और क्वालिटी आधारित सामान की बड़ी डिमांड है। अफ्रीका : आने वाले दशक का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार। लैटिन अमेरिका : कृषि और टेक्सटाइल निर्यात के लिए उभरता हुआ अवसर। ASE-AN और खाड़ी देश : भौगोलिक निकटता और सांस्कृतिक रिश्तों के कारण व्यापार विस्तार की संभावना। भारत ने "मेक इन इंडिया" और "ग्लोबल सप्लाई चेन" का जो सपना दिखाया है, उसे तभी हकीकत बनाया जा सकता है जब अमेरिका पर निर्भरता कम कर बहुस्तरीय व्यापारिक साझेदारी की जाए।

भविष्य की दिशा: झटका, दरार या अवसर?

ट्रंप टैरिफ भारत के लिए निश्चित ही बड़ा झटका है। लेकिन यह स्थायी दरार बनेगा या नहीं, यह इस पर निर्भर करेगा कि भारत किस तरह प्रतिक्रिया करता है। यदि भारत केवल शिकायत करता रहे और घरेलू सुधार न करे, तो यह स्थायी दरार बन सकती है। यदि भारत इसे चेतावनी मानकर अपनी लागत घटाए, बाजारों का विविधीकरण करे और तकनीक में आगे बढ़े, तो यह अवसर भी साबित हो सकता है। भारत-अमरीका संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं। रक्षा, सुरक्षा, तकनीक और शिक्षा में दोनों देशों का सहयोग बहुत गहरा है। यह सहयोग शायद टैरिफ विवादों से भी बड़ा साबित हो सकता है। ट्रंप टैरिफ केवल आयात-निर्यात की तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन और राजनीति का हिस्सा है। यह हमें याद दिलाता है कि आज की दुनिया में व्यापार अब केवल "कौशल और मूल्य" पर नहीं चलता, बल्कि "नीति-संशय और सुरक्षा-राजनीति" पर भी निर्भर करता है।

भारत के सामने दोहरी चुनौती है – घरेलू स्तर पर उत्पादन, लॉजिस्टिक्स और रोजगार को मजबूत करना। बाहरी मोर्चे पर नए बाजार और रणनीतिक साझेदारियाँ बनाना। यदि भारत इस चुनौती का सामना ठोस कदमों से करता है, तो ट्रंप टैरिफ का यह झटका केवल अस्थायी साबित होगा। अन्यथा यह दरार भारत-अमरीका संबंधों में लंबे समय तक खिंचाव ला सकती है। भविष्य इसी पर निर्भर है कि भारत अपनी प्रतिस्पर्धा, विश्वसनीयता और रणनीतिक संतुलन को कितनी मजबूती से बनाए रखता है।

अतिरिक्त विश्लेषण : भारत के लिए सीख और भविष्य की राह

ट्रंप टैरिफ हमें यह भी सिखाता है कि वैश्विक व्यापार में किसी एक साझेदार पर अत्यधिक निर्भरता खतरनाक हो सकती है। भारत लंबे समय से अमेरिकी बाजार को सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य मानता रहा है, लेकिन जब राजनीतिक हालात बदलते हैं, तो यही भरोसा जोखिम में बदल जाता है। इस अनुभव से भारत को सीख लेनी चाहिए कि निर्यात का आधार चौड़ा किया जाए और क्षेत्रीय विविधता लाई जाए। भारत को साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि आज वैश्विक उपभोक्ता केवल कीमत नहीं देखते, बल्कि सप्लाई चेन की विश्वसनीयता और निरंतरता भी चाहते हैं। यदि भारतीय निर्यातक लगातार गुणवत्ता, समयबद्धता और लागत-प्रभावशीलता पर ध्यान दें तो टैरिफ जैसे झटके भी लंबे समय तक असर नहीं डाल पाएँगे। भारत के पास जनसंख्या का लाभ, युवा श्रमिक बल और आईटी-फार्मा जैसी मजबूत इंडस्ट्री पहले से मौजूद है। अब केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति, तेज़ सुधार और रणनीतिक विविधीकरण की ज़रूरत है।

हमेशा के लिए बंद करने होंगे आरजीएचएस में भ्रष्टाचार के दरवाजे

-गड़बड़ियों की परतें: कहाँ छिपा है भ्रष्टाचार?

राजस्थान सरकार द्वारा शुरू की गई राजस्थान सरकारी स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस - Rajasthan Government Health Scheme) प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए किसी वरदान से कम नहीं थी। इस योजना का उद्देश्य था कि सरकारी कार्मिकों और उनके परिजनों को कैशलेस और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध हो सके। लेकिन अफसोस की बात यह है कि जिस योजना से लोगों को राहत और विश्वास मिलना चाहिए था, वह अब भ्रष्टाचार और अव्यवस्थाओं का गढ़ बन चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में सामने आए तथ्य बताते हैं कि निजी अस्पतालों, फार्मा कंपनियों, डॉक्टरों और दलालों की मिलीभगत ने इस योजना की जड़ों को खोखला कर दिया है। कई अस्पतालों ने फर्जी बिलिंग, गैरज़रूरी टेस्ट, महंगी दवाओं की अनिवार्यता और काल्पनिक मरीजों के नाम पर करोड़ों रुपये का खेल खेला। वहीं, सरकारी तंत्र की ढिलाई और कभी-कभी मिलीभगत ने इसे और बढ़ावा दिया। अब सवाल यह उठता है कि आखिर सरकार कब तक सिर्फ चेतावनी देती रहेगी? क्या भ्रष्टाचार के दरवाजे सिर्फ बयानों से बंद होंगे? या फिर अब वह वक्त आ गया है जब सख्ती दिखनी भी चाहिए और महसूस भी होनी चाहिए।

योजना का उद्देश्य और पृष्ठभूमि

आरजीएचएस की शुरुआत इस मकसद से की गई थी कि राज्य सरकार के कर्मचारी, पेंशनर और उनके परिवारजन बिना किसी आर्थिक बोझ के, निजी व सरकारी अस्पतालों में आधुनिक इलाज की सुविधा पा सकें। योजना में लगभग 13 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारी व पेंशनर परिवार जुड़े हुए हैं। इन सभी को कैशलेस हेल्थकेयर सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इसमें सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ एम्पैनल्ड निजी अस्पतालों को भी जोड़ा गया। मंशा साफ थी कि सरकारी कर्मचारी और उनके परिजन इलाज के लिए पैसे की चिंता से मुक्त रहें। लेकिन योजना शुरू होते ही इसमें गड़बड़ियों और भ्रष्टाचार की खबरें आने लगीं। गड़बड़ियों की परतें: कहाँ छिपा है भ्रष्टाचार?

अस्पतालों की मनमानी

कई निजी अस्पतालों ने योजना के तहत इलाज करने से ही इनकार कर दिया। जिन मरीजों को भर्ती किया भी गया, उनसे कैश पेमेंट की मांग की गई। अस्पतालों ने सरकारी भुगतान में देरी का बहाना बनाकर मरीजों को योजना से वंचित किया।

फर्जी बिल और काल्पनिक मरीज

स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्टों में सामने आया कि अस्पतालों ने फर्जी बिल बनाए। कई बार मरीज भर्ती ही नहीं हुए, लेकिन उनके नाम पर लाखों रुपये का बिल उठाया गया। मरीजों को छोटे-मोटे रोग होने पर भी महंगे पैकेज दिखाकर क्लेम किया गया।

महंगी ब्रांडेड दवाइयों की अनिवार्यता

योजना में ब्रांडेड दवाइयों को अनुमति दी गई, जबकि जेनेरिक दवाएं भी पर्याप्त थीं। इससे दवा कंपनियों और अस्पतालों की मिलीभगत से बड़े घोटाले हुए। सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों पर दवा लेने का दबाव डाला गया।

डॉक्टरों की भूमिका

कुछ डॉक्टरों पर आरोप लगे कि उन्होंने मरीजों को जानबूझकर निजी अस्पतालों की ओर रिफर किया। वहाँ पहुँचने पर अनावश्यक टेस्ट, सर्जरी और पैकेज के नाम पर बिल बढ़ाए गए। डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के बीच कमीशनखोरी का खेल चला।

सरकारी तंत्र की ढिलाई

अस्पतालों के बिल पास करने से पहले कड़ी जांच नहीं की गई। गड़बड़ियों के बावजूद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई। सिर्फ चेतावनी या ब्लैकलिस्ट करने की घोषणा करके मामले दबा दिए गए।

कर्मचारियों और पेंशनरों की पीड़ा

योजना का सबसे बड़ा नुकसान उन लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों को हुआ, जिनके लिए यह जीवन रक्षक योजना थी। पेंशनर, जिनकी आय का मुख्य साधन सीमित है, उन्हें इलाज के

लिए अपनी जेब से पैसे देने पड़े। कई मामलों में गंभीर बीमारियों के मरीजों को अस्पतालों ने भर्ती करने से इनकार कर दिया। इलाज से इनकार की वजह से मरीजों की हालत बिगड़ी और कुछ मामलों में मौत तक हो गई। कर्मचारियों ने महसूस किया कि सरकार उनकी सुरक्षा के लिए बनी योजना पर निगरानी रखने में विफल रही।

सरकार के कदम: बयानों से आगे क्या?

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर और राज्य सरकार ने समय-समय पर कहा कि अस्पतालों की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पतालों को चेतावनी दी गई, कई को ब्लैकलिस्ट भी किया गया। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि — अब भी कई निजी अस्पताल योजना के तहत मरीजों को भर्ती नहीं कर रहे। करोड़ों रुपये के फर्जी क्लेम की जांच अधर में लटकी है। दोषियों पर ठोस कार्रवाई का अभाव है। सरकार ने हाल ही में यह भी संकेत दिया कि आयुष्मान भारत योजना की तर्ज पर सख्ती और पारदर्शिता लाई जाएगी। लेकिन तब तक कर्मचारियों और पेंशनरों का भरोसा डगमगाता रहेगा।

क्यों बढ़ा भ्रष्टाचार?

पारदर्शी मॉनिटरिंग की कमी

योजना में रीयल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम मजबूत नहीं है। अस्पताल क्या इलाज कर रहा है और क्या बिलिंग कर रहा है, इसका सीधा ट्रैकिंग सिस्टम नहीं है।

भुगतान में देरी

सरकार की ओर से अस्पतालों को भुगतान में देरी होने पर उन्होंने दबाव डालकर कैश पेमेंट लिया। इससे अस्पतालों को भ्रष्टाचार का मौका मिला।

कड़ी सज़ा का अभाव

भ्रष्टाचार पकड़ में आने पर अस्पतालों को सिर्फ चेतावनी दी गई। जेल, भारी जुर्माना और लाइसेंस रद्द जैसे कठोर कदम नहीं उठाए गए।

लॉबी और दबाव

बड़े अस्पतालों और फार्मा कंपनियों की मजबूत लॉबी है। राजनीतिक दबाव और आर्थिक ताकत से कई मामले दबा दिए जाते हैं।

आगे का रास्ता: सुधार और सख्ती दोनों जरूरी

योजना को 100% डिजिटल और पेपरलेस बनाया जाए। मरीज भर्ती से लेकर डिस्चार्ज तक की प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज हो। मरीज और परिवार को SMS/WhatsApp अपडेट भेजे जाएँ।

रीयल टाइम मॉनिटरिंग

हर अस्पताल में सीसीटीवी लिंक्ड मॉनिटरिंग सिस्टम हो। फर्जी बिलिंग और काल्पनिक भर्ती पर तुरंत रोक लगे।

सख्त दंड व्यवस्था

फर्जीवाड़ा करने वाले अस्पतालों पर कम से कम 1 करोड़ रुपये का जुर्माना और ब्लैकलिस्टिंग। शामिल डॉक्टरों की लाइसेंस निलंबन/रद्दीकरण। दलाल और बिचौलियों पर कानूनी कार्रवाई।

जेनेरिक दवाओं को प्राथमिकता

ब्रांडेड दवाओं की जगह जेनेरिक दवाओं को अनिवार्य किया जाए। इससे भ्रष्टाचार भी रुकेगा और खर्च भी घटेगा।

मरीजों की शिकायत निवारण व्यवस्था

सर सय्यद अहमद शाहिद : 1857 की ग़दर के भूले-बिसरे नायक

-1857 का ग़दर और उसकी पृष्ठभूमि

भारत के आज़ादी के इतिहास में 1857 का ग़दर एक ऐसी घटना है जिसने ब्रिटिश साम्राज्य की जड़ों को हिला दिया। इसे "भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम" कहा जाता है। इस जंग-ए-आज़ादी में हर तबके, हर मज़हब और हर इलाक़े के लोगों ने हिस्सा लिया। उत्तर भारत के अवध, फैज़ाबाद, कानपुर, झांसी, दिल्ली और शाहजहाँपुर जैसे क्षेत्रों ने अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ खुलकर बग़ावत की। इन्हीं में से एक बहादुर और बेख़ौफ़ सिपहसलार थे सर सय्यद अहमद शाहिद, जिन्होंने फैज़ाबाद और अवध क्षेत्र में अंग्रेज़ों के खिलाफ़ सीधे युद्ध का ऐलान किया। यहाँ हम विस्तार से उनके जीवन, ग़दर 1857 में उनकी भूमिका और भारतीय आज़ादी के लिए उनके योगदान को समझेंगे।

सर सय्यद अहमद शाहिद का परिचय

सर सय्यद अहमद शाहिद 19वीं सदी के उन महान क्रांतिकारियों में से थे, जिनका नाम अक्सर इतिहास की किताबों में दबा दिया गया। वे अवध क्षेत्र के रहने वाले थे और फ़ैज़ाबाद को उन्होंने अपनी बग़ावत का केंद्र बनाया। वे उस दौर में ज़मींदारी और सैन्य नेतृत्व से जुड़े थे। उन्हें स्थानीय लोगों में एक इज्ज़तदार नेता और मज़हबी रहनुमा की तरह देखा जाता था। जब 1857 का ग़दर शुरू हुआ, तो उन्होंने अंग्रेज़ी सत्ता को सीधी चुनौती देने का फ़ैसला किया।

1857 का ग़दर और उसकी पृष्ठभूमि

1857 का ग़दर कोई अचानक हुई घटना नहीं थी। इसके पीछे कई दशक का अन्याय, आर्थिक शोषण और सांस्कृतिक हस्तक्षेप था। कारण : आर्थिक शोषण – अंग्रेज़ों ने किसानों पर ज़बरदस्त लगान लगाया, जिससे जनता परेशान थी। धार्मिक हस्तक्षेप – सिपाहियों में यह डर फैलाया गया कि कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी है। सामाजिक असमानता – अंग्रेज़ अधिकारियों का भारतीयों के साथ नस्लीय भेदभाव। राजनीतिक विस्तार – अंग्रेज़ों ने 'लैप्स की नीति' से कई रियासतें हड़प लीं, जिनमें अवध भी शामिल था। अवध का विलय 1856 में कर लिया गया था, जिसके कारण यहां की जनता पहले से ही ग़ुस्से में थी।

अवध और फैज़ाबाद में ग़दर की चिंगारी

जब दिल्ली में 10 मई 1857 को मेरठ से बग़ावत की ख़बर पहुँची, तो अवध और फैज़ाबाद के सिपाहियों और किसानों में नई जान आ गई। फ़ैज़ाबाद छावनी में तैनात भारतीय सिपाहियों ने अंग्रेज़ अफसरों के ख़िलाफ़ हथियार उठाए। इसी समय सर सय्यद अहमद शाहिद ने नेतृत्व संभाला और जनता को संगठित किया। उन्होंने अपने साथ किसानों, मज़दूरों और तालुकेदारों को जोड़ा।

सर सय्यद अहमद शाहिद का नेतृत्व

उनकी रणनीति: उन्होंने फ़ैज़ाबाद और आसपास के गांवों में संदेश भिजवाया कि अब अंग्रेज़ों के राज को उखाड़ फेंकना है। उनके नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने अंग्रेज़ी सेना पर अचानक हमले किए। फ़ैज़ाबाद के कई हिस्सों में अंग्रेज़ हुकूमत का क़ब्ज़ा समाप्त कर दिया गया।

उनके अनुयायी: किसानों का बड़ा तबका उनके साथ हो गया। पुरानी नवाबी सेना के सिपाही भी उनके साथ जुड़े। स्थानीय मौलवियों और धर्मगुरुओं ने भी उन्हें "जिहाद-ए-आज़ादी" का दर्जा दिया।

अंग्रेज़ों से सीधी जंग: 1857 की ग़दर के दौरान सर सय्यद अहमद शाहिद ने सीधे तौर पर अंग्रेज़ों से टक्कर ली। फ़ैज़ाबाद छावनी में हुई जंग में उनके नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने अंग्रेज़ों की नाक में दम कर दिया। अवध के कई इलाक़े, जैसे बहराइच, सुल्तानपुर, गोंडा तक उनकी बग़ावत की लहर फैली। उन्होंने अंग्रेज़ अफसरों की चौकियों और खज़ाने पर हमले किए।

एक बड़ी जंग: इतिहासकारों का उल्लेख है कि फैज़ाबाद के आसपास एक बड़ी भिड़ंत हुई, जिसमें उनके सैकड़ों अनुयायी शहीद हुए। अंग्रेज़ों ने तोपख़ाने और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया, जबकि भारतीय क्रांतिकारी तलवार, भाले और पुराने बंदूकों पर निर्भर थे।

सर सय्यद अहमद शाहिद की शहादत

जैसे-जैसे अंग्रेज़ी हुकूमत ने अपनी ताक़तें इकट्ठी कीं, उन्होंने अवध के विद्रोह को दबाने के लिए ज़बरदस्त कार्रवाई शुरू की। फैज़ाबाद और अवध क्षेत्र में गाँव-गाँव अंग्रेज़ी सैनिकों को भेजा गया। सर सय्यद अहमद शाहिद और उनके अनुयायियों को घेर लिया गया। एक लंबी लड़ाई के बाद वे शहीद हो गए। उनकी शहादत ने ग़दर को दबा तो नहीं दिया, लेकिन अंग्रेज़ों ने फ़ैज़ाबाद और आसपास के इलाक़ों में बर्बर दमन किया।

योगदान और महत्व

सर सय्यद अहमद शाहिद का नाम भले ही बहुत मशहूर न हो, लेकिन उनकी कुर्बानी और नेतृत्व ग़दर 1857 की असली ताक़त थी। स्थानीय जनता को संगठित किया – किसानों और तालुकेदारों को एक मंच पर लाना उनकी बड़ी उपलब्धि थी। अंग्रेज़ों को चुनौती – उन्होंने अंग्रेज़ों से सीधी जंग लड़ी, जबकि कई नेता परोक्ष रूप से सक्रिय थे। शहादत का जज़्बा – उन्होंने जान देकर यह साबित किया कि मुल्क की आज़ादी सबसे ऊपर है।

इतिहास में गुमनामी

यह भी दुख की बात है कि 1857 के कई नायक, जिनमें सर सय्यद अहमद शाहिद भी शामिल हैं, इतिहास की किताबों में गुमनाम कर दिए गए। अंग्रेज़ों ने जानबूझकर ऐसे नेताओं का ज़िक्र दबा दिया, ताकि आने वाली नस्लें उनसे प्रेरणा न ले सकें। आज़ादी के बाद भी राष्ट्रीय इतिहास लेखन ने मुख्य रूप से झांसी की रानी, नाना साहेब, तात्या टोपे और बहादुर शाह ज़फ़र पर ज़्यादा ध्यान दिया। फैज़ाबाद और अवध क्षेत्र के इन गुमनाम शहीदों को वह जगह नहीं मिली, जिसके वे हक़दार थे।

सर सय्यद अहमद शाहिद की विरासत

आज जब हम 1857 के ग़दर को याद करते हैं, तो सर सय्यद अहमद शाहिद की विरासत को भी समझना ज़रूरी है। एकता का पैग़ाम – उन्होंने हिन्द और मुस्लिम किसानों को साथ लेकर जंग लड़ी। बलिदान की मिसाल – उनके नाम से आज भी फैज़ाबाद और आसपास के लोग इज़्ज़त और गर्व महसूस करते हैं। प्रेरणा का स्रोत – आज़ादी की लड़ाई में उनका नाम आने वाली पीढ़ियों को संघर्ष और कुर्बानी की राह दिखाता है। 1857 का ग़दर सिर्फ एक बग़ावत नहीं था, बल्कि यह भारत के स्वाभिमान और स्वतंत्रता की पहली सामूहिक कोशिश थी। इस कोशिश में सर सय्यद अहमद शाहिद जैसे नायक आगे बढ़कर लड़े और अपनी शहादत दी। आज इतिहास की ज़िम्मेदारी है कि ऐसे भूले-बिसरे शहीदों को सामने लाए और उन्हें वह सम्मान दे जो उनका हक़ है। सर सय्यद अहमद शाहिद का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होना चाहिए। 1857 का ग़दर भारतीय इतिहास की सबसे अहम घटनाओं में से एक माना जाता है, जिसे भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम भी कहा जाता है। इस बग़ावत ने अंग्रेज़ी साम्राज्य की जड़ों को हिला दिया और हर तबके के लोगों ने इसमें हिस्सा लिया। अवध और फ़ैज़ाबाद इस विद्रोह के प्रमुख केंद्र बने और इन्हीं इलाक़ों से उभरे एक बहादुर सिपहसलार थे सर सय्यद अहमद शाहिद, जिन्होंने अंग्रेज़ों से सीधी जंग लड़ी। सर सय्यद अहमद शाहिद अवध क्षेत्र के प्रतिष्ठित नेता और जनता के रहनुमा थे। फ़ैज़ाबाद को उन्होंने अपनी बग़ावत का केंद्र बनाया। किसानों, मज़दूरों, तालुकेदारों और पुरानी नवाबी सेना के सिपाहियों को जोड़कर उन्होंने अंग्रेज़ों को चुनौती दी। उनके नेतृत्व में फ़ैज़ाबाद की छावनी और आसपास के इलाक़ों में अंग्रेज़ों के खिलाफ़ ज़बरदस्त संघर्ष हुआ। 1857 की ग़दर की पृष्ठभूमि में अंग्रेज़ों का आर्थिक शोषण, धार्मिक हस्तक्षेप, नस्लीय भेदभाव और 'लैप्स की नीति' जैसे राजनीतिक कारण थे। अवध का विलय 1856 में कर लिया गया था, जिसने जनता के ग़ुस्से को और भड़का दिया। मेरठ से बग़ावत की ख़बर पहुँचते ही अवध में क्रांति की लहर उठी और सर सय्यद अहमद शाहिद इसके प्रमुख नेता बने।

हरियाली का नया कीर्तिमान, एक साथ लगाए गए 60 हजार पौधे

-हमारी संस्कृति में प्रकृति पूजा की परंपरा, हमनें पेपरलीक पर की कड़ी कार्रवाई, नहीं बख्शेंगे दोषियों को- मुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के अवसर पर 'हरियालो राजस्थान' अभियान शुरू किया। जिसके अन्तर्गत हमनें पिछले वर्ष 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और साढ़े 7 करोड़ पौधे लगाकर लक्ष्य को पूरा किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष राज्य सरकार ने 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और अब तक 11 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। इस तरह हम अब तक साढ़े 18 करोड़ पौधे लगा चुके हैं। राज्य सरकार 5 वर्ष में 50 करोड़ पेड़ लगाएगी और प्रदेश को हरा भरा बनाएगी। शर्मा शुक्रवार को टोंक के टोडारायसिंह में 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 'हरियालो राजस्थान' के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति का विशेष स्थान है। हमारी परंपरा में पेड़, पहाड़ और जल स्रोतों की पूजा की जाती है। इस धरती पर भोलेनाथ का मंदिर, बीसलपुर बांध और हरियाली से युक्त पहाड़ियों का संगम इस भावना को साकार कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अनूठी पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की है। यह संकल्प धरती माँ के प्रति सम्मान का प्रतीक है। हमनें अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और इसे हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई है। परियोजना के तहत इस मानसून में 19 अरावली जिलों के 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण करवा रहे हैं।

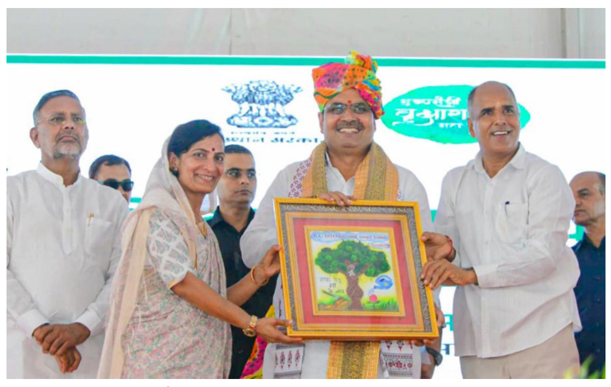

ब्राह्मणी नदी से बीसलपुर बांध में आएगा पानी-

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के किसानों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल उपलब्ध करवाने की दिशा में कई फैसले किए हैं। हमनें पूर्वी राजस्थान के किसानों के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौते को आगे बढ़ाया है। वहीं, पश्चिमी एवं दक्षिणी राजस्थान के लिए माही बांध को जवाई बांध से जोड़ने और अन्य जिलों के लिए ब्राह्मणी नदी को बीसलपुर बांध से जोड़ने का काम किया जा रहा है। इसी तरह, हमारी सरकार 2027 तक प्रदेशभर के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है और अब तक 22 जिलों के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। किसान अब अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता बनने की ओर अग्रसर है। इसी तरह, पशुपालकों के लिए हमारी सरकार गोपाल क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवा रही है।

रोजगार सहायता शिविर में हजारों अभ्यर्थियों को मिली 'उज्ज्वल भविष्य की राह'

- 4 हजार से ज्यादा आशार्थियों ने लिया भाग, मौके पर ही मिला नियुक्ति पत्र

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप-क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय, जयपुर एवं राजकीय महाविद्यालय, बगरू के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को एक दिवसीय करियर मार्गदर्शन एवं रोजगार सहायता शिविर का आयोजन राजकीय महाविद्यालय, बगरू परिसर में किया गया। शिविर का शुभारंभ बगरू विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने किया। उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय जयपुर की उपनिदेशक नवरेखा ने बताया भारी बारिश के बावजूद शिविर में कुल 4 हजार 207 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। निर्माण, लॉजिस्टिक, होटल, बैंकिंग, मेडिकल, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मा, कॉल सेंटर, बीमा आदि क्षेत्रों से जुड़े 60 निजी नियोजक अपनी 3 हजार 500 रिक्तियों के साथ उपस्थित हुए। मौके पर ही 1 हजार 105 अभ्यर्थियों का प्राथमिक चयन किया गया तथा 343 अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण हेतु चयन कर कुल 1 हजार 448 अभ्यर्थियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में स्वरोजगार एवं कैरियर मार्गदर्शन संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया। साथ ही इस अवसर पर उपनिदेशक नवरेखा ने रोजगार विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर 10 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए तथा रोजगार सृजन में योगदान देने वाले 5 निजी नियोजकों को सम्मानित किया गया। विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति एवं युवा शक्ति ही विश्व को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखती है। उन्होंने युवाओं से कहा कि असफलताओं से निराश न होकर उन्हें सफलता की सीढ़ी बनाएं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और आगामी वर्षों में 1 लाख 25 हजार सरकारी नौकरियां तथा करीब 1 लाख 50 हजार निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे।

नई दिल्ली में नरेडको के 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य सचिव ने की शिरकत

-राज्य में अफॉर्डेबल हाउसिंग उपलब्ध करवाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध- मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सभी को अफॉर्डेबल हाउसिंग उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देने के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। साथ ही केंद्र सरकार की नीतियों को भी राज्य स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। सुधांश पंत शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नरेडको) के 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर शहरी विकास और आवास विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाषीष पृष्ठी, स्वायत शासन सचिव रवि जैन और रेरा की चेयरपर्सन ती वीनू गुप्ता भी उपस्थित थी। सम्मेलन में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पंत ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के अर्बन सेक्टर और इंफ्रास्ट्रक्चर में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। देश में सड़कों का विकास हो अथवा सभी को अफॉर्डेबल हाउसिंग उपलब्ध करवाने या हर घर तक स्वच्छ पीने योग्य जल पहुंचने का लक्ष्य हो, इन सभी क्षेत्रों में देश के साथ-साथ राजस्थान ने भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। राजस्थान में इस वर्ष नई टाउनशिप पॉलिसी और मॉडल बिल्डिंग बायलॉज लॉन्च किए गए हैं, जिससे नए प्रोजेक्ट्स को सुविधा और गति मिलेगी। मुख्य सचिव पंत ने कहा कि किसी भी राज्य में बेहतर निवेश माहौल बनाने के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं को सरल बनाना आवश्यक है। इसी दिशा में कार्य करते हुए राजस्थान में पुराने नियमों को सरल कर अनावश्यक बोझ घटाने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही ट्रांजैक्ट ओरिएंटेड डेवलपमेंट और ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट (टीडीआर) पॉलिसी को भी प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष राजस्थान सरकार ने ग्रीन बजट प्रस्तुत किया है, जिसमें शहरों को सतत और पर्यावरण अनुकूल बनाने के विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसमें सर्कुलर इकॉनोमी, रिसोर्सेस का सस्टेनेबल उपयोग और लैंड उपयोग को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया है।

महापौर डॉ॰ सौम्या गुर्जर की पहल पर स्वच्छता योद्धाओं ने जाना सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उपाय एवं वैक्सीनेशन का महत्व

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की पहल पर शुक्रवार को नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर स्वच्छता योद्धाओं के लिए सर्वाइकल कैंसर से बचाव एवं वैक्सीनेशन के महत्व की जानकारी देने हेतु एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कैंसर सर्जन डॉ. नैना अग्रवाल ने सभी स्वच्छता योद्धाओं को सर्वाइकल कैंसर के बारे में जानकारी दी तथा सर्वाइकल कैंसर से बचाव व वैक्सीनेशन के लाभ के बारे में जागरूक किया।

गौरतलब है कि 15-16-17 मार्च 2025 को शक्ति वंदन 2.0 के तहत महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की पहल पर लगभग 500 से अधिक बालिकाओं का निःशुल्क टीकाकरण किया गया था। जिसकी तर्ज पर शुक्रवार को नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर कार्यशाला आयोजित की गई तथा स्वच्छता योद्धाओं को एसएमएस अस्पताल की कैंसर सर्जन डॉ. नैना अग्रवाल द्वारा गर्भाशय ग्रिवा के कैंसर के टीकाकरण की आवश्यकता एवं महत्व के बारे में बताया गया।

डॉ. नैना अग्रवाल ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय के मुंह का कैंसर) जिसे टीके एवं सर्वाइकल कैंसर स्क्रिनिंग के जरिये रोका जा सकता है। यह एचपीवी (हारूमन पैपिलोमा वायरस) के संक्रमण से फैलता है। जिसका बचाव एक मात्र एचपीवी वैक्सीन एवं स्क्रिनिंग है। यह वैक्सीन 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं को दो डोज एवं 15 से 26 वर्ष की महिलाओं को तीन डोज लगाई जाती है।

कार्यशाला में डॉ. सुदीप्ती अरोड़ा, डॉ. निधी गोयल ने भी सर्वाइकल कैंसर के बारे में भी अपने विचार साझा किये। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने इस अवसर पर कहा कि परिवार की मुख्य धुरी महिला होती है सशक्त राष्ट्र, समृद्ध समाज सशक्त नारी से ही संभव है इसलिए स्वस्थ और सशक्त नारी समाज की आवश्यकता है। इसलिये यह निःशुल्क टीकाकरण रजिस्ट्रेशन के माध्यम से स्वच्छता योद्धाओं की 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं को किया जा रहा है।

लेन ड्राइव अभियान में पुलिस का अनोखा अंदाज

-चालकों को दिए गुलाब के फूल

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के टोल प्लाजा पर शुक्रवार शाम लेन ड्राइव अभियान के तहत एक अनोखी पहल देखने को मिली। थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा ने वाहन चालकों को गुलाब के फूल भेंट कर न केवल यातायात नियमों की जानकारी दी, बल्कि उन्हें सड़क सुरक्षा का संदेश भी दिया। इस दौरान थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा ने इस मौके पर कहा कि "जिस तरह गुलाब खुशबू फैलाता है, उसी तरह जीवन भी महकता है, अगर हम नियमों का पालन करें और दुर्घटनाओं से बचें।"

अधिकारियों की मौजूदगी में चला अभियान

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम 6 बजे थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा, एएसआई राजेश कुमार, टोल प्लाजा प्रबंधक इमरान खान व राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी टोल प्लाजा पहुंचे। यहाँ से गुजरने वाले वाहनों को रोककर चालकों को गुलाब का फूल दिया गया और उन्हें लेन ड्राइव सिस्टम की जानकारी दी गई। वही 5 सितंबर तक जागरूकता, उसके बाद सख्ती अधिकारियों ने बताया कि 28 अगस्त से 5 सितंबर तक वाहन चालकों को जागरूक किया जाएगा। इसके बाद लेन ड्राइव नियमों का सख्ती से पालन करवाया जाएगा। चालकों को सीट बेल्ट लगाने, सीमित गति से गाड़ी चलाने और शराब पीकर वाहन न चलाने की समझाइश दी गई।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री एवं केंद्रीय वन मंत्री ने ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण

-बैडमिन्टन खेलकर किया प्रतियोगिता का शुभारम्भ, ई-गुरुकूल लाइब्रेरी का किया अवलोकन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया तथा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने अलवर जिले के एमआईए स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा भी मौजूद रहे। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मांडविया ने ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के डीन को निर्देश दिये कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना से संबद्ध करावे ताकि अधिक से अधिक मरीजों को उपचार की सुविधाएं मिल सके। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के आसपास राज्य सरकार के मेडिकल कॉलेज व 100 बैड से अधिक के चिकित्सालयों से एमओयू करें, जिससे उन हॉस्पिटलों के मरीजों को भी यहां की सुपर स्पेशिलिटी सेवाओं का लाभ मिल सके।

बैठक लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश-

केंद्रीय मंत्री मांडविया एवं केंद्रीय मंत्री यादव ने निरीक्षण के उपरान्त मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिये कि मेडीकल कॉलेज की सभी व्यवस्था पुख्ता रखे। उन्होंने कहा कि ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के लिए संसाधनों की कमी नहीं है, किन्तु चिकित्सा सुविधाओं में और अधिक विस्तार हेतु प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने निर्देश दिये कि आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज की टीम साप्ताहिक तौर पर जाकर वहां श्रमिकों के लिए मेडिकल कॉलेज की सुपर स्पेशिलिटी सुविधाओं की जानकारी देवे तथा उनको ईएसआईसी से जोड़े।

मंत्रीगणों ने खेल किया बैडमिन्टन प्रतियोगिता का शुभारम्भ-

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री एवं केंद्रीय वन मंत्री ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज परिसर में स्थित इन्डोर स्टेडियम में जाकर खिलाडियों को खेल दिवस की शुभकामनाएं दी तथा उन्होंने बैडमिन्टन खेलकर बैडमिन्टन प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। इस दौरान उन्होंने एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

ई-गुरूकूल लाइब्रेरी का किया अवलोकन-

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया एवं केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने विवेकानन्द स्मारक में ई-गुरूकूल लाइब्रेरी का अवलोकन किया। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने वहां अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव द्वारा अलवर संसदीय क्षेत्र में बनवाई जा रही ई-लाइब्रेरियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में अहम कडी साबित होगी। इस दौरान उन्होंने ई-गुरूकूल वाहन का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर रामगढ विधायक सुखवंत सिंह, अलवर जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता व महासिंह चौधरी, बन्नाराम मीणा, संजय नरूका सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं मेडिकल कॉलेज के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यपाल से ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैकिंस्की दा नोब्रेगा ने मुलाकात की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैकिंस्की दा नोब्रेगा ने राजभवन पहुंचकर मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को ब्राजील में कृषि से जुड़े उत्पादों, वहां के जीवन और लोगों के बारे जानकारी दी। राज्यपाल बागडे ने ब्राजील के कृषि-व्यवसाय के बारे में विशेष जानकारी ली और भारत में प्राकृतिक खेती के बारे में किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान कृषि, सहकारिता और डेयरी क्षेत्र के साथ विभिन्न अन्य क्षेत्रों में तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने राजस्थान और देश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी संवाद किया। ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैकिंस्की दा नोब्रेगा ने बताया कि कृषि ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सोयाबीन, कॉफी, चीनी आदि उत्पादों में ब्राजील अपने घरेलू खपत व निर्यात दोनों में विश्वभर में अग्रणी है। राज्यपाल बागडे ने राजस्थान के मोटे अनाज और उनकी पोषण गुणवत्ता के बारे में विशेष रूप से जानकारी दी। ब्राजील के राजदूत से अनौपचारिक संवाद में उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य, कृषि और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में भारत को अग्रणी किए जाने, साझा प्रयासों पर भी विमर्श किया। राज्यपाल बागडे ने ब्राजील में एथेनॉल और बायो उर्वरकों के बारे में विशेष रूप से संवाद किया। इस दौरान ब्राजील की शहरी और ग्रामीण आबादी, उनकी आजीविका आदि विषयों पर भी विशेष रूप से संवाद हुआ।

निगम की टीम द्वारा की गई कार्यवाही, 3 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को सतर्कता शाखा की टीम जयपुर विकास प्राधिकरण के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुये निवारू रोड से 200 फिट बाईपास नाथ जी की थडी तक अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 03 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में सतर्कता शाखा की टीम जयपुर विकास प्राधिकरण के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुये निवारू रोड से 200 फिट बाईपास नाथ जी की थडी तक अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 03 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

अब नहीं दौड़ेंगे भारी वाहन, मनोहरपुर नवलपुरा मार्ग पर लगेगा ब्रेक

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई है। मनोहरपुर से नवलपुरा की ओर जाने वाली पुरानी सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही पर अब पूरी तरह रोक लगा दी जाएगी। इसके लिए सड़क पर एंगल लगाए गए हैं, ताकि सिर्फ हल्के वाहन ही इस मार्ग से गुजर सकें।

जाम और हादसों से मिलेगी राहत:-

इस फैसले से जहां कस्बे में आए दिन लगने वाले जाम से निजात मिलेगी, वहीं सड़क हादसों में भी कमी आएगी। गौरतलब है कि पिछले शनिवार को मधोवेणी नदी की पुलिया पर कंटेनर और कार की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इससे पहले भी इस मार्ग पर चार लोगों की मौत हो चुकी है। इस दौरान डिप्टी मुकेश चौधरी ने पुरानी सड़क का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों की मांग पर एंगल लगवाने की व्यवस्था की गई।जिससे अब भारी वाहन इस मार्ग से नहीं गुजर सकेंगे। इससे न केवल हादसों में कमी आएगी, बल्कि कस्बेवासियों को जाम की समस्या से भी राहत मिलेगी।

सहायक आचार्य परीक्षा-2024 -हेपाटो पैंक्रियाटो बिलियरी सर्जरी (सुपर स्पेशियलिटी) साक्षात्कार हेतु 6 अभ्यर्थी सफल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए आयोजित सहायक आचार्य-हेपाटो पैंक्रियाटो बिलियरी सर्जरी (सुपर स्पेशियलिटी) प्रतियोगी परीक्षा-2024 का लिखित परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। यह लिखित परीक्षा 15 मई, 2025 को आयोजित की गई थी।

इस परीक्षा में उपस्थित रहे 6 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए पूर्णतः अस्थायी रूप से सफल घोषित किया गया है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि साक्षात्कार के लिए सफल घोषित अभ्यर्थी को विस्तृत आवेदन पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड करके दो प्रतियों में भरकर सभी आवश्यक शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, जाति और अन्य प्रमाण-पत्रों की फोटोकॉपी के साथ, परिणाम जारी होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर आयोग कार्यालय में जमा कराना होगा। साक्षात्कार की तारीख के बारे में आयोग द्वारा यथासमय सूचित किया जाएगा। अभ्यर्थी की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों के अनुसार की जाएगी, और पात्र पाए जाने पर ही साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		पानी के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

जिला प्रमुख उर्मिला भाया की अध्यक्षता में जिला स्थापना समिति की बैठक सम्पन्न

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया की अध्यक्षता में कार्यालय जिला परिषद बारां में जिला स्थापना समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, उपखण्ड अधिकारी बारां एवं जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा बारां भी उपस्थित रहे। बैठक में अध्यापक भर्ती 2022 के अंतर्गत 11 अध्यापकों के नियुक्ति/पदस्थापन का अनुमोदन किया गया। पंचायत समिति छीपाबडौद एवं बारां में मृतक के 2 आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति दिए जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। माननीय न्यायालय की पालना में तृतीय श्रेणी अध्यापक को नियुक्ति/पदस्थापन का भी अनुमोदन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा बारां से प्राप्त 06 अध्यापकों के स्थायीकरण का अनुमोदन एवं पंचायतीराज मंत्रालयिक संवर्ग के वर्ष 2025-2026 की रिक्तियों के अनुसार पदोन्नति का अनुमोदन किया गया।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का दौरा कर बांटी राहत सामग्री

-सब कुछ गंवा चुके किसान की मदद कर प्रस्तुत की भाईचारे की मिसाल

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में भारी बारिश के बाद क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में जमीयत उलेमा-ए-हिंद दौरा कर प्रभावितों को ज़रूरत का सामान जैसे आटा, दाल, तेल, साबुन सर्फ, कंबल, दरी व अन्य प्रकार का सामान वितरण का अभियान चलाया हुआ है। जमीयत के मौलाना मोहम्मद अबसार नाशरी ने बताया कि पिछले दिनों सवाई माधोपुर और आस पास के क्षेत्रों में भारी बरसात के बाद जहां लगभग पूरा ज़िला प्रभावित हुआ था वहीं पुराना शहर, सूरवाल, धनौली, जड़ावता, कानसीर, मखौली, चकेरी एवं अन्य गांव बाढ़ की चपेट में आए गए। अपने अभियान के दूसरे दिन जमीयत उलेमा ए हिंद सवाई माधोपुर का एक डेलीगेशन सूरवाल धनौली और जड़ावता के दौरे पर रहा। वहां उन्होंने खाने के किट व जड़ावता गांव में सैलाब से सब कुछ गवां चुके मौजीराम पटेल को खाने पीने के किट के साथ दरी और कंबल के अलावा लोहे की 5 चद्दर की अस्थाई आवास हेतु मदद की। जमीयत की इस पहल की प्रभावित ग्रामीणों ने सराहना की। इस मौके पर मौलाना मुहम्मद नौमान क़ासमी, मौलाना अबसार अहमद नदवी, मौलाना मुहम्मद इकराम, मौलाना फिरोज, मौलाना क़ाज़ी अनवर एवं मुजाहिद भाई सूरवाल सहित अन्य जमीयत के कार्यकर्ता मौजूद रहै।

पर्यूषण पर्व के दौरान नौ दिवसीय उपवास करने पर निकाला जुलूस

बारां (रॉयल पत्रिका)। जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ बारां के 20 अगस्त से पर्यूषण पर्व चल रहे थे। पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया, अशोक बोरडिया, गौत्तम मारू, ललित श्रीमाल ने बताया कि पर्यूषण पर्व के दौरान चन्द्रप्रभू जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ मंदिर अध्यक्ष राजेन्द्र रंगावत के सुपुत्र दीपक रंगावत की धर्मपत्नी प्रीति रंगावत द्वारा पर्यूषण पर्व के दौरान 9 दिन तक 9 उपवास किए। जिला प्रमुख उर्मिला भाया, विजया श्रीमाल, निर्मला बोरडिया ने बताया कि बारां शहर में सकल संघ द्वारा जुलूस निकाला गया और शाम के समय मंदिर में तपस्या गवाई गई। इस दौरान सभी के अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई।

जुलूस-ए-मुहम्मदी को लेकर जनसंपर्क अभियान

-ओलमा ए अहले सुन्नत की देखरेख में निकलेगा जुलूस-ए-मुहम्मदी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। शकील पठान ने बताया कि जुलूस ए मुहम्मदी की तैयारी को लेकर बरकतुल्लाह कॉलोनी में मीटिंग मोहम्मद इरफान कुरैशी की सरपरस्ती में आयोजन किया गया। इफ्तिखार अहमद ने बताया कि जुलूस हजरत अब्दुल लतीफ शाह रहमतुल्लाह अलेही की दरगाह से मुफ्ती शेर मोहम्मद खान साहब रिजवी सुबह 8:00 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।म साजिद खान ने बताया कि ओलमाए अहले सुन्नत की मान्यता के अनुसार पूर्ण सादगी अदबो, एहतराम और अकीदत से जुलूस ए मुहम्मदी निकाला जाएगा। जुलूस की तैयारी को लेकर मुस्लिम इलाके रमजान जी का हत्था, मुंशी सिफर हुसैन कॉलोनी, मिरासी कॉलोनी, प्रताप नगर, बंबा, उदय मंदिर एवं मदीना कॉलोनी में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। मोहसिन अत्तारी ने बताया कि मीटिंग के दौरान समाजसेवी मोहम्मद जावेद, इफ्तिखार अहमद, मौलाना हाफिज जावेद, मोहम्मद अली रंगरेज, सैयद हैदर अली, आसिफ नूरी, मोहम्मद शाहरुख, नसीम अली, मोहम्मद जावेद, एडवोकेट अब्दुल खालिद, मोहम्मद सलीम मुन्ना, मोहम्मद सदीक राजू, मोहम्मद इरफान कुरैशी, मोहम्मद कायम, उमर सामरिया, हेदर नुरी, नासिर हुसैन, जुल्फिकार अली, नूर मोहम्मद, मोहम्मद फारुख, सदीक, रुस्तम अली, शेर मोहम्मद, चांद मोहम्मद, हारुन अब्बासी, अमन, तोफीक, अबुबकर, मोः फैजान, मोः तारीक, मोः असलम, मोः वसीम, लियाकत अली, मोहम्मद हारुन, मोः रसीद, इफ्तिकार अहमद, सिराजुद्दीन, नफीस अहमद, वाजिद उस्ताद, आजाद सहित ओलमाए अहले सुन्नत, जोधपुर के तमाम बुद्धिजीवी, विद्वान और तमाम आशिकाने रसूल जोधपुर आदि उपस्थित रहे। आवाम से की गई अपील ओलमा ए अहले सुन्नत की सरपरस्ती में निकाले जाने वाले जुलूस ए मुहम्मदी में 2023 2024 की तरह टू व्हीलर फोर व्हीलर बैंड बाजे, ढोल ताशे, झांकियों नाबालिग बच्चे और महिलाओं पर जुलूस में पूर्ण प्रतिबंध रखा है और जुलूस सुबह के समय पर जल्दी निकलेगा ताकि सभी जुम्मे की नमाज अदा कर सके।

ईद ए मिलादुन्नबी पर अमन और शांति का प्रतीक

-1500 सौ साल जुलूस ए मोहम्मदी के आयोजन पर बैठक

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मरकजी मदरसा मदीना तुल उलूम में रात्रि 9:00 बजे एक बैठक पैगंबर इस्लाम के जन्मदिवस ईद मिलादुन्नबी पर निकलने वाला सालाना अमन ओ शांति भाईचारे का प्रतीक जुलूस ए मोहम्मदी को लेकर हुई बैठक में जुलूस कमेटी के सैयद अबरार हुसैन कादरी ने बताया की इस साल पैगंबर इस्लाम का 1500सौ साला जन्मदिवस ईद मिलादुन्नबी बहुत धूमधाम से मनाया जाएगा। वार्षिक जुलूस ए मोहम्मदी 5 सितंबर 2025 शुक्रवार को मरकाजी मदरसा मदीनातुल उलूम मोहल्ला तेलियां से सुबह 10:00 बजे प्रारंभ होकर नई सड़क, स्टेशन रोड, धर्म स्तूप, पुरानी सड़क माल जी के कमरे से पुनः मदरसा में पहुंचकर समापन होगा जुलूस का नेतृत्व शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम मूल कादरी करेंगे जुलूस ए मोहम्मदी में सभी राजनीतिक पार्टियों के वरिष्ठ गणमान्य एवं सभी धर्म संप्रदाय के लोगों के साथ शहर भर के अलग-अलग मोहल्ले से मुस्लिम समुदाय के लोग मदरसा के बच्चे पैगंबर ए इस्लाम का पैगाम लेकर जुलूस ए मोहम्मदी में शामिल होंगे। बैठक में शहर भर की सभी सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं गणमान्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया सभी को अलग-अलग दायित्व सौंपा गया बैठक का संचालन मोहम्मद अली पठान ने किया।

इन्दिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थानीय इन्दिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई संस्थान निदेशक अख्तर खान रूकनखानी ने बताया कि भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त को मनाया जाता है। क्योंकि की यह दिन महान हॉकी खिलाड़ी मेंजर ध्यानचंद का जन्मदिन है उन्होंने 1928.1932.और 1936 के ओलंपिक खेलों में भारतीय टीम को स्वर्ण पदक जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी प्रधानाध्यापिका सबीना बानो ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर सभी बच्चों को खेल दिवस के बारे में जानकारी दी बच्चों ने बढ़ चढ़कर प्रतियोगिता में भाग लिया प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर संस्थान सचिव हाजी युसूफ खान शिक्षा अनुदेशिका अल्लादेई शिक्षा अनुदेशक असलम खान शिक्षा अनुदेशक जान मोहम्मद आदि मौजूद थे।

भौतिक संसाधन उपलब्ध कराने हेतु सरकार संकल्पित- सहारण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर विधायक कोष से चूरू ब्लॉक के विद्यालयों को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा पंचायत समिति सभागार में दरी वितरण कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चूरू विधायक हरलाल सहारण, विशिष्ट अतिथि चूरू पंचायत समिति प्रधान दीपचंद राहड़, उप जिला प्रमुख महेंद्र न्यौल,मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद सिंह राठौड़ तथा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भंवरलाल डूडी रहे। कार्यक्रम में चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि विद्यालय के भौतिक संसाधन उपलब्ध करवाने के लिए सरकार संकल्पित हैं,छात्रहित हमारे लिए सर्वोपरि लक्ष्य हैं जिसके लिए हम प्रयासरत हैं,गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और खेल में चूरू क्षेत्र को अग्रणी रखना है। चूरु पंचायत समिति प्रधान दीपचंद राहड़ ने बताया कि चुरू में सरकार द्वारा कई विकास कार्य करवाए जा रहे हैं जिसमें शिक्षा के क्षेत्र को अग्रणी रखा है। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद सिंह राठौड़ ने शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यों की प्रगति के बारे में बताया। उपजिला प्रमुख महेंद्र न्यौल ,सामाजिक कार्यकर्ता चेतराम सहारण ने अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भंवरलाल डूडी ने बताया कि चूरू ब्लॉक के आवश्यकता अनुसार चयनित 70 राजकीय विद्यालयों को बड़ी दरियों का वितरण किया गया है तथा कार्यक्रम में उपस्थित हुए समस्त पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी और यूसीईईओ को शिक्षा विभाग की योजनाओ,आरटीई सहित समस्त विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्धारित समय पर कार्यों को संपादित करने के लिए निर्देशित किया गया। अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सूर्यकांत शर्मा ने पोर्टल पर रैंकिंग तथा यू डाइस की फीडिंग अद्यतन करने के लिए निर्देश दिए। इस दौरान सुनील ढाका,आरपी देवेंद्र सिंह राहड़, प्रशासनिक अधिकारी राकेश चौधरी, लक्ष्मण सिंह, राजप्रकाश धानिया,संदीप पुनिया, राजेंद्र सिंह राजावत, सुभाष सारण,असलम खान,रशीद अहमद,प्रीतम बेनीवाल सहित चुरू ब्लॉक के समस्त पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी,यूसीईईओ उपस्थित रहे। संचालन आरपी विनय कुमार सोनी ने किया।

कांग्रेस द्वारा विचार गोष्ठी

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कांग्रेस जनों ने विचार गोष्ठी में, चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान व युवा नेता हेमंत सिहाग ने कहा बिहार में कांग्रेस दफ्तर सदाकत आश्रम पर भाजपा के कैबिनेट मंत्री की मौजूदगी में भाजपा कार्यकर्ताओं का कायराना हमला इनकी बौखलाहट दिखा रहा है। प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा को मिले रहे जनसमर्थन और उसकी सफलता तथा वोट चोरी को लेकर किए जा रहे उनके खुलासे से भाजपा बेहद घबराई हुई है और अब इस तरह के कृत्यों को अंजाम दे रही है। लेकिन एक बात बेहद स्पष्ट है कि कांग्रेस ऐसी गुंडागर्दी के आगे झुकेगी नहीं और संविधान तथा लोकतंत्र की रक्षा करती रहेगी। हम मांग करते बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस हमले को अंजाम देने वाले लोगों पर कार्रवाई करने की हिम्मत दिखाएं और दोषी व्यक्तियों को तुरंत गिरफ्तार करें।

ईद मिलादुन्नबी पर शराब की दुकान और बीयर बार बंद रखने की मांग

-AIMIM के प्रतिनिधिमंडल ने विरोध प्रदर्शन कर कोटा जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका) । 5 सितंबर को मनाया जाने वाले ईद मिलादुन्नबी पर्व के दिन शराब की दुकान और बीयर बार बंद रखने की मांग के साथ शुक्रवार को AIMIM के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की है। एआइएमआइएम के जिला अध्यक्ष परवेज खान के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल जिला कलेक्टर को ज्ञापन देने पहुंचा था इस मौके पर प्रतिनिधि मंडल का कहना है कि मुस्लिम समाज के आदर्श, हमारे प्यारे पैगंबर के जन्म दिवस, 5 सितंबर शुक्रवार 2025 को ईद-ए-मिलाद उन नबी बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है यह दिन पूरे मुस्लिम समाज के लिए अत्यंत पवित्र और श्रद्धापूर्ण है, जैसे ही विभिन्न त्योहारों पर मांस की दुकानों को बंद रखा जाता है, उसी प्रकार मुस्लिम समाज की आस्था एवं सामाजिक भावनाओं का सम्मान करते हुए, ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के पर्व के दिन समस्त कोटा जिला में सभी शराब की दुकानें एवं बीयर बार को बंद रखने की मांग की गयी इससे सामाजिक सौहार्द ओर समरसता बनी रहेगी तथा यह त्योहार शांति एवं श्रद्धा के साथ मनाया जा सकेगा।

सीनियर स्टेट लेवल चैंपियनशिप के लिए जयपुर की टीम घोषित

-विद्याधर नगर कॉलेज की ट्विंकल जैसवाल का चयन

चौमूं/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ एवं कोटा जिला बॉल बैडमिंटन संघ के संयुक्त तत्वावधान में 8वीं सीनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए जयपुर की टीमों का ऐलान कर दिया गया है। प्रतियोगिता का आयोजन 29 अगस्त से 31 अगस्त तक महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम, कोटा में किया जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय विद्याधर नगर जयपुर के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रहलाद सहाय बुनकर ने बताया कि महाविद्यालय की छात्रा ट्विंकल जैसवाल का महिला टीम में चयन होने पर स्टॉफ व विद्यार्थियों ने खुशी के साथ शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली जयपुर की महिला एवं पुरुष दोनों टीमों का चयन, ट्रायल के आधार पर किया गया है। पुरुष टीम की कमान अब्दुल अब्बास को सौंपी गई, जबकि महिला टीम की कप्तान चेल्सिया को सौंपी गई है।

जयपुर की महिला एवं पुरूष टीमें:-

महिला वर्ग - चेल्सिया सैनी(कप्तान), हर्षिता जूनवाल(उपकप्तान), ट्विंकल जैसवाल, कृष्णा कुमावत, कशिश खान, निकिता कंवर, प्रियांशी शर्मा, शुभांगी सोलंकी, शालिनी, हेमलता बाकोलिया, कोच अकरम खान, मैनेजर आचुकी बाकोलिया।

पुरुष वर्ग - अब्दुल अब्बास(कप्तान), ताहिर खान नागोरी(उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, नैतिक अग्रवाल, राकेश चौधरी, आदित्य शर्मा, मिहिर शेखर शर्मा, प्रिंस प्रजापत, फरहान खान, जतिन कुमार, कोच लक्ष्मीकांत शर्मा, मैनेजर अंकित सिंह नरुका।

सांसद चौधरी के प्रयास पर सोमेसर पर जोधपुर-हडपसर एक्सप्रेस के ठहराव को मिली मंजूरी

पाली (रॉयल पत्रिका)। पाली सांसद एवं एक राष्ट्र-एक चुनाव संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी के प्रयास पर सोमेसर रेलवे स्टेशन पर जोधपुर-हडपसर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 20495/96) ट्रेन के नियमित ठहराव को मंजूरी मिल गई है। केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्र के माध्यम से इस महत्वपूर्ण ट्रेन नियमित ठहराव की जानकारी सांसद चौधरी को दी। हाल ही सांसद ने ससंदीय क्षेत्र की विभिन्न मांगों को रेल मंत्री से भेंट की थी। इस दौरान उन्होंने विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर अति महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहरावों के मांग पत्र भी सौंपे थे।

सांसद चौधरी ने अपने मांग पत्र में रेल मंत्री को जोधपुर-हडपसर (पुणे) एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन हेतु आभार जताया था। साथ ही उन्होंने पत्र में बताया कि वर्तमान में नियमित रूप से संचालित इस ट्रेन का ठहराव सोमेसर रेलवे स्टेशन पर नहीं है। यहां के क्षेत्रवासियों की ओर से आवागमन के महत्वपूर्ण इस ट्रेन के ठहराव की मांग उनसे करते रहते हैं। ऐसे में आमजन की सुविधा हेतु सोमेसर रेलवे स्टेशन पर जोधपुर-हडपसर एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव की बहुत आवश्यकता है। सांसद चौधरी के प्रयास शुक्रवार को रंग लाए और रेल मंत्री ने पत्र के माध्यम से ट्रेन ठहराव की स्वीकृति से अवगत करवाया। सांसद ने इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए मंत्री का आभार जताया।

खातों को मनमाने ढंग से फ्रीज़ करने पर राजस्थान हाईकोर्ट की रोक– नागरिक अधिकारों की बड़ी जीत

मोहम्मद यासीन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर ने एक ऐतिहासिक आदेश जारी करते हुए यह साफ कर दिया है कि किसी भी नागरिक के बैंक खाते को बिना ठोस कारण के पूरी तरह फ्रीज़ करना न केवल अवैध है बल्कि संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन भी है। यह मामला तब सामने आया जब स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने जांच के दौरान एक खाताधारक का पूरा बैंक खाता फ्रीज़ कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता कल्बे मोहम्मद ने दलील दी कि पूरे खाते को सीज़ करना मनमाना कदम है और इससे खाताधारक की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

न्यायमूर्ति कुलदीप माथुर की एकलपीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि –

केवल वही राशि फ्रीज़ की जाएगी, जिसे जांच अधिकारी अपराध से जुड़ा मानते हैं। बैंक को यदि विवादित राशि का सटीक आंकड़ा ज्ञात नहीं है, तो उसे तुरंत जांच अधिकारी से जानकारी लेनी होगी। जांच अधिकारी को सात दिनों के भीतर बैंक को लिखित रूप से सूचित करना होगा। यदि कोई उत्तर प्राप्त नहीं होता है,तो बैंक को आदेशानुसार खाताधारक को शेष राशि से लेन-देन की अनुमति देनी होगी।

नागरिकों के लिए राहत:-

यह आदेश आम जनता के लिए बेहद राहतकारी है। अब किसी भी जांच एजेंसी या बैंक द्वारा पूरे खाते को फ्रीज़ करने की स्थिति में नागरिक आर्थिक संकट से नहीं गुजरेंगे। आमतौर पर खातों के सीज़ होने से न केवल व्यापार ठप हो जाता है, बल्कि परिवार के दैनिक खर्च, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें भी प्रभावित होती हैं। कोर्ट के इस आदेश ने नागरिकों की वित्तीय स्वतंत्रता और गरिमा को सुरक्षित किया है।

कानूनी दृष्टिकोण:-

संविधान का अनुच्छेद 300A कहता है कि किसी भी नागरिक की संपत्ति केवल कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया से ही छीनी जा सकती है। इस आदेश ने इसी सिद्धांत को मजबूती दी है कि बिना स्पष्ट आधार और प्रक्रिया के किसी की संपत्ति (यहां बैंक बैलेंस) पर रोक नहीं लगाई जा सकती।

सामाजिक प्रभाव:-

आज के समय में डिजिटल लेन-देन और बैंकिंग पर निर्भरता काफी बढ़ चुकी है। ऐसे में खाते का पूरा फ्रीज़ हो जाना किसी नागरिक के लिए सामाजिक और आर्थिक संकट खड़ा कर देता है। इस आदेश के बाद खाताधारक कम से कम अपनी वैध कमाई और बचत से खर्च कर सकेंगे, जबकि केवल संदिग्ध रकम पर ही रोक रहेगी। राजस्थान हाईकोर्ट का यह निर्णय न केवल याचिकाकर्ता के लिए बल्कि देशभर के खाताधारकों के लिए एक मजबूत कानूनी सुरक्षा कवच है। यह आदेश आने वाले समय में अन्य मामलों में भी नजीर बनेगा और सुनिश्चित करेगा कि जांच की आड़ में नागरिकों की आर्थिक स्वतंत्रता का हनन न हो। यह फैसला न्यायपालिका की उस भूमिका को भी रेखांकित करता है, जिसके तहत अदालतें नागरिकों और राज्य/संस्थाओं के बीच संतुलन बनाती हैं।

चौमूं में कल होगा तृतीय उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। दा बुद्धा सामाजिक एवं शैक्षिक संस्था के तत्वावधान में रविवार, 31 अगस्त को शाही बाग पैलेस, कचोलिया रोड़, चौमूं में तृतीय उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित होगा। संस्थापक व अध्यक्ष एडवोकेट जितेन्द्र बुनकर ने बताया कि वर्ष 2024-25 में कक्षा 10-12 वीं में 80 प्रतिशत व स्नातक स्नातकोत्तर में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों, नवनियुक्त कर्मचारी, नीट, आईआईटी में चयनित, प्रतिभागी खिलाड़ी, स्काउट, एनसीसी, एनएसएस, समाजसेवी, भामाशाह एवं जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया जाएगा।

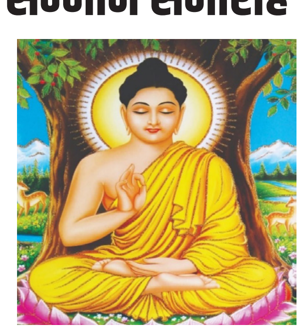

नेशनल स्पोर्ट्स डे पर हनुमानगढ़ में खिलाड़ियों का जोश, हॉकी-एथलेटिक्स-जूडो की प्रतियोगिताएं

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र द्वारा नेशनल स्पोर्ट्स डे के अवसर पर तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं की शुरुआत शुक्रवार को हुई। आरंभ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके योगदान को याद किया गया। पहले दिन हॉकी, एथलेटिक्स व जूडो की प्रतियोगिताएं हुईं, जिनमें 400 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

जिला खेल अधिकारी शमशेर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिताएं तीन दिन तक चलेंगी। खिलाड़ियों का उत्साह काबिले-तारीफ रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्रोणाचार्य अवॉर्डी आर.डी. सिंह रहे। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पन्नालाल कडेला, राष्ट्रीय खिलाड़ी दर्शन सिंह, खेतपाल सिंह, अभिजीत, संजय बिश्नोई, नसीब सिंह, मस्तान सिंह, देवेंद्र पूनिया, प्रदीप सैनी, अंग्रेज सिंह, ओमप्रकाश सेन एवं शारीरिक शिक्षक उपस्थित रहे। शनिवार को प्रतियोगिताओं के अंतर्गत विशिष्ट नागरिकों की पैदल चाल, लॉन टेनिस, क्रिकेट (पुरुष वर्ग), वॉलीबॉल तथा पारंपरिक खेल रुमाल झपट्टा और सत्तोलिया होंगे। वहीं महिला वर्ग में रस्साकशी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय खेल महोत्सव शुरू, 29 से 31 तक आयोजित होंगे विभिन्न इन्डोर व आउटडोर खेल

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार 'विकसित भारत' के क्रम में तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय, जोधपुर में तीन दिवसीय (29-31 अगस्त, 2025) खेल महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक एवं यूनिवर्सिटी प्रेसिडेन्ट डॉ. जमील काज़मी ने खेल महोत्सव की विधिवत् शुरूआत की घोषणा करते हुए खेल को खेल की भावना से खेलने तथा अपना सर्वोत्तम खेल दिखाने का सभी से आह्वान किया। यूनिवर्सिटी के डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने बताया कि यूजीसी के आदेशानुसार इस खेल महोत्सव के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर में रस्साकस्सी, केरम, शतरंज, टेबल टेनिस सहित कई इन्डोर व आउटडोर खेल की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स डीन डॉ. सैयद मुईनउलहक ने बताया कि बी. फार्म व बीए तथा बीए बीएड, फिजियोथेरेपी के छात्र वर्ग के बीच हुए रस्साकस्सी खेल में बी. फार्म व फिजियोथेरेपी विजयी रहे तथा रस्साकस्सी की छात्रा वर्ग में बीपीटी नर्सिंग समूह ने बीए, बीएबीएड समूह को पराजित किया। यूनिवर्सिटी की स्पोर्ट्स सचिव डॉ. साबरा कुरैशी ने कहा कि शतरंज खेल में बी फार्म सैकेण्ड सैम के इरफान, केरम खेल में बी फार्म फोर्थ सैम के मोहम्मद शोएब व बी फार्म फोर्थ सैम की आयशा अली तथा टेबल टेनिस में बीए बीएड फोर्थ सैम के अमन, बीए सैकेण्ड सैम के अंकित, बीए बीएड सेवंथ सैम के रूसतम अली व बीए बीएड सेवंथ सैम के नासिर खान विजयी रही। उन्होंने बताया कि रस्साकस्सी का फाइनल, सौ मीटर दौड़, केरम, शतरंज व टेबल टेनिस का अगला चरण शनिवार 30 अगस्त को आयोजित होगा। खेल महोत्सव के सफल संचालन में डीन डॉ. इनाम इलाही, डीन डॉ. निरंजन बोहरा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. समीना, डॉ. सीमा परवीन, डॉ. अब्दुल्लाह खालिद, डॉ. शाहिद, डॉ. मरजीना, डॉ. समृद्धि, डॉ. अल्ताफ, यूनूस खान, सोहेब खान, आसिफ खान, भूपेन्द्र, राजूराम, तौसिफ खान, विपिन व्यास सहित समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही हो सुनिश्चित

-नार्को कोर्डिनेशन सेंटर तंत्र की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। नार्को कोर्डिनेशन सेंटर तंत्र की जिला स्तरीय स्टेडिंग कमेटी की बैठक गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आमजन भी नशे का कारोबार करने वालों की सूचना जिला पुलिस के साथ-साथ हेल्पलाइन नम्र 9351504313 पर देकर अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। सबके सहयोग से ही नशे पर रोकथाम लगाई जा सकेगी। नशा मुक्ति अभियान के तहत अब तक हुई गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि खाली और जर्जर भवनों का उपयोग नशे से जुड़ी गतिविधियों में न हो, इसके लिये पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जाये। पुलिस द्वारा किरायेदारों का भौतिक सत्यापन नियमित रूप से किया जाये। उन्होंने कहा कि जिले में नशा करने वालों को नशा छोड़ने के लिये प्रेरित करने में समस्त विभागीय अधिकारियों और कार्मिकों के साथ-साथ आमजन भी सक्रिय सहयोग करें। सामाजिक संस्थाओं सहित अन्य संगठनों का भी सहयोग लेकर समाज को नशा मुक्त बनाने के लिये गंभीरतापूर्वक मुहिम चलाई जाये। नशा मुक्ति केन्द्रों, मेडिकल स्टोर्स सहित अन्य संस्थाओं के रिकॉर्ड संधारण के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि नियमित रूप से इसकी मॉनिटरिंग की जाये। जिला कलक्टर ने बैठक में कहा कि नशा छोड़ने के लिये उपचार लेने वालों का रिकॉर्ड संधारित करने के साथ-साथ नियमित रूप से उनका फॉलोअप भी किया जाये। जिला स्तर के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों से आने वालों का रिकॉर्ड संधारित किया जाये। नशे में प्रयुक्त होने वाली दवाओं की उपलब्धता और स्टॉक की नियमित जांच की जाये। मेडिकल स्टोर्स पर सीसीटीवी कैमरा और दवाओं के रिकॉर्ड की आकस्मिक जांच कर अनियमितता पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाये। साथ ही औषधि नियंत्रक विभाग जिले के समस्त खुदरा विक्रेताओं को एनडीपीएस दवाओं की पर्ची पर दवा देने के पश्चात मोहर लगाया जाना सुनिश्चित करावे।

पुष्कर पशु मेला 22 अक्टूबर से जिला कलक्टर ने तैयारियों के लिए सलाहकार समिति के साथ ली बैठक

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। लोक बन्धु की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मेला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। इस वर्ष मेला का शुभारंभ कार्तिक शुक्ल एकम 22 अक्टूबर से होगा तथा समापन मार्गशीर्ष कृष्ण द्वितीया 7 नवम्बर को किया जाएगा। बैठक में मेले की व्यवस्थाओं, विकास प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों पशु प्रतियोगिताओं आदि की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि बैठक में पुष्कर मेले में देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का आगमन होता है। इसके लिए मेले का आयोजन भव्य और सुव्यवस्थित रूप से होना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों को पुष्कर सरोवर के घाटों पर सफाई, रोशनी, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, मृत पशुओं को हटाने के लिए विशेष टीम गठन, शहर एवं परिक्रमा मार्ग की सफाई, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, ब्रह्मा मंदिर के पास जूते चप्पल स्टॉल, मेला मैदान पर मंच एवं प्रतियोगिताओं के लिए रंगाई-पुताई, रेन बसेरों की स्थापना, अस्थायी कांजी हाउस, सीवरेज लाइन की जांच, झंडियों की सजावट, सरोवर घाटों पर गोताखोरों की तैनाती, पार्किंग व्यवस्था, खोए बच्चों एवं व्यक्तियों हेतु सहायता केंद्र, फूड पैकेट स्टॉल, फायर बिग्रेड वाहनों की उपलब्धता, मोबाइल टॉयलेट और सजावटी रोशनी की व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन विभाग को पशुओं के दड़ों में रोशनी, पेयजल, खेलियों की मरम्मत, पशु चिकित्सालय एवं मोबाइल यूनिट, चौकियों की स्थापना, पशु चिकित्सा सेवाएं, दवा एवं उपचार व्यवस्था तथा पशु पेयजल खेलियों की सतत निगरानी की व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को पुष्कर तक आने वाली सड़कों की मरम्मत एवं पेचवर्क, पार्किंग स्थलों पर मरम्मत कार्य, हेलिपैड निर्माण तथा वीवीआईपी आगमन के लिए सुगम यातायात मार्ग तैयार करने के निर्देश दिए। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को पेयजल पाइपलाइन एवं टंकियों की मरम्मत, लीकेज रोकने, खेलियों में निरंतर जलापूर्ति, अतिरिक्त सार्वजनिक नल लगाने, फायर हाइड्रेंट उपलब्ध कराने तथा 24 घंटे इंजीनियरों की ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देह दिए। रोडवेज विभाग को अस्थायी बस स्टैंड की स्थापना, टिकट काउंटर, बैरिकेटिंग, एकादशी एवं चर्तुदशी के अवसर पर अतिरिक्त बसें चलाने तथा क्रेन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को मलेरिया-डेंगू रोकथाम, फॉगिंग, अस्थायी एवं मोबाइल डिस्पेंसरियां, एम्बुलेंस, स्ट्रेचर, प्राथमिक उपचार व्यवस्था तथा खाद्य सामग्री के नमूनों की जांच की जिम्मेदारी दी गई।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में जिला कलक्टर ने दिए निर्देश

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजस्व अधिकारियों की बैठक गुरूवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। जिला कलक्टर ने डीसीएस, ई-गिरदावरी में सभी ब्लॉक अधिकारियों को किसानों की फसलों की गिरदावरी एप के माध्यम से अधिक से अधिक गिरदावरी करवाना सुनिश्चित करें और फार्मर्स की संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करवाना और इसका प्रचार-प्रसार कर आगामी दो दिनों में गिरदावरी की प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। बैठक में राजकीय भूमि पर अतिक्रमण धारा 22/91 प्रकरण, अनुसूचित जाति, जनजाति व्यक्तियों के अवैध हस्तारण के मामले का निपटारा अंतर्गत धारा 175 के प्रकरण, सीमा सड़क संगठन (ग्रेफ) संबंधी भूमि अवाप्ति प्रकरणों, सेना रक्षा सम्पदा अधिकारी बीकानेर, सीमा सुरक्षा बल संबंधी, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों और राजकीय विभागों को भूमि आंवटन प्रकरणों, भू-संपरिवर्तन के पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला कलक्टर ने फार्मर रजिस्ट्रेशन नियमानुसार करवाने और ई-फाईलिंग की समीक्षा करते हुए राजस्थान संपर्क पोर्टल, सीएम प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश देते हुए कहा कि विभागीय लंबित प्रकरणों को संबंधित अधिकारी गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। राजकीय विभागों के भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लम्बित प्रकरणों का निस्तारण नियमानुसार किया जाये।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में गुरुवार को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग से संबंधित योजनाओं की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम प्रकाश ने विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत पट्टा वितरण कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि आगामी कैंपेन में शत प्रतिशत पात्र लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए जाएं। इसी प्रकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त ग्राम योजना में पात्र परिवारों का सर्वे एवं सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत पूर्ण किए गए कार्यों का जियो-टैगिंग सुनिश्चित करने तथा शेष बचे कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि के तहत प्रत्येक पंचायत में चिन्हित जल संरक्षण संरचनाओं का विकास तत्परता से किया जाए। उन्होंने राज्य सरकार की मंशा अनुसार जल संरक्षण योजनाओं में आमजन की सहभागिता बढ़ाकर इसे जनआंदोलन के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में अटल ज्ञान केंद्र की प्रगति की भी समीक्षा हुई। जिला कलक्टर ने कहा कि शेष पंचायतों में ज्ञान केंद्र शीघ्र खोलकर युवाओं को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनकल्याणकारी योजनाओं में जिले की रैंकिंग सुधारने के लिए योजनाओं की ब्लॉकवार प्रगति को बढ़ाया जाए। उन्होंने पंच गौरव के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि हरियाळो राजस्थान अभियान में लगाए गए नीम के पौधों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। जिले के खेल कबड्डी को ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर कबड्डी खेलने के लिए मैट तथा अन्य खेल सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने राजीविका से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार ड्रोन दीदी को प्रशिक्षण दिया जाए तथा लखपति दीदी योजना में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति अर्जित की जाए। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने, घर-घर कचरा संग्रहण एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय समावेशन शिविर में प्रगति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। राज्य सरकार की मंशा अनुसार वित्तीय योजनाओं का लाभ आमजन को मिले। इसमें कम प्रीमियम में दुर्घटना होने पर बड़ी राशि मिलने से विपरीत समय में आर्थिक सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि पूर्व में जहां शिविर आयोजित हुए वहां फॉलो अप शिविर लगाए जाए। वित्तीय योजनाओं में संतृप्तता सुनिश्चित की जाए।

नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीगंगानगर में पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारम्भ

-अच्छी पुस्तके पढ़ने से राष्ट्र के अच्छे नागरिक तैयार होते हैं- जिला कलक्टर

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने कहा कि राष्ट्र के अच्छे नागरिक बनाने के लिये हमारी संस्कृति एवं पुस्तकों से जुड़ाव बहुत जरूरी है। युवा पीढ़ी में पढ़ने की आदत होनी चाहिए। अच्छी पुस्तके पढ़ने से राष्ट्र के अच्छे नागरिक बनेंगे। जिला कलक्टर गुरूवार को राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत सरकार द्वारा राजकीय सार्वजनिक जिला पुस्तकालय, श्रीगंगानगर के सहयोग से आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ के अवसर पर कार्यक्रम में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि हम लोग बचपन में छोटी-छोटी कहानियों की पुस्तके पढ़ा करते थे लेकिन अब उन चीजों की कमी है। अब मोबाइल व टीवी का प्रभाव दिखाई देता है। हमारे बच्चे क्या कर रहे हैं, उस पर नजर होनी चाहिए। तकनीक व डिजिटल प्लेटफार्म सहयोग के लिये है लेकिन परम्परागत मेथड को भुलाया नहीं जा सकता। बच्चों में पढ़ने की आदत डाले। अच्छी पुस्तके बच्चों को संस्कारवान बनाती है। एनबीटी के प्रबंधक मो. इमरानुल हक ने बताया कि आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी के दौरान एनबीटी द्वारा प्रकाशित हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी एवं क्षेत्रीय भाषा की पुस्तकें अवलोकन एवं बिक्री हेतु उपलब्ध रहेगी। प्रदर्शनी में सभी आयु वर्ग के पाठकों के लिए विभिन्न विषयों पर कहानी, उपन्यास, महापुरुषों की जीवनियां, लोकोपयोगी विज्ञान, भारत-देश और लोग, युवाओं के साथ-साथ बच्चों की पुस्तकों का विशेष संकलन भी उपलब्ध है। पुस्तकों की खरीद पर एनबीटी द्वारा 10 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। प्रदर्शनी में इच्छुक पाठक और पुस्तक प्रेमी बेहद मामूली शुल्क देकर एनबीटी बुक क्लब (किताब क्लब) की सदस्यता भी प्राप्त कर सकते हैं। किताब क्लब की सदस्यता लेने पर पाठक आजीवन 20 प्रतिशत छूट का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास 60 से अधिक भारतीय भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित करता है

राइजिंग राजस्थान जिला कलक्टर लोक बन्धु ने निवेशकों के साथ की बैठक

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने गुरुवार को एनआईसी सभागार में निवेशकों के साथ बैठक कर राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू को धरातल पर उतारने पर चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने निवेशकों से एक-एक कर संवाद स्थापित किया और परियोजनाओं में आ रही चुनौतियों पर चर्चा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि प्रशासन पारदर्शिता और जवाबदेही की भावना से कार्य कर रहा है और निवेशकों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निवेश परियोजनाओं से अजमेर का औद्योगिक एवं पर्यटन परिदृश्य मजबूत होगा और यह शहर प्रदेश एवं देश के मानचित्र पर और अधिक सशक्त पहचान बना सकेगा। बैठक के दौरान निवेशकों ने अपनी इकाइयों से जुड़े लंबित प्रकरणों एवं विभागीय स्वीकृतियों से संबंधित मुद्दों को साझा किया। इस पर लोक बन्धु ने मौके पर ही अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश देते हुए विभागवार टास्क क्रिएट करने, आवश्यक अनुमतियां एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा निवेशकों को राज्य सरकार की ओर से दी जा रही छूट एवं सब्सिडी की जानकारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लोक बन्धु ने पेयजल, विद्त एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता को प्राथमिकता से सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि विभागीय समन्वय के साथ हर समस्या का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आगामी समय में अधिक से अधिक परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग सुनिश्चित की जाएगी। इससे एमओयू धरातल पर वास्तविक रूप ले सकेंगे। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर ज्योति ककवानी, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक धर्मेंद्र शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं निवेशक उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना

-रेलमार्ग से 1712 तथा हवाई मार्ग से 205 यात्री करेंगे यात्रा

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत यात्रा करने वाले वरिष्ठ नागरिकों की लॉटरी प्रक्रिया गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने कंप्यूटर पर क्लिक कर चयनितों की सूची जारी की। जिला कलेक्टर ने बताया कि देवस्थान विभाग द्वारा आयोजित होने वाली यात्रा के तहत लगभग आठ हजार यात्रियों के पांच हजार आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कुल 1712 यात्रियों का रेल तथा 205 यात्रियों का हवाई यात्रा के लिए चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि रेल मार्ग के 15 रूट और हवाई मार्ग का एक रूट निर्धारित किया गया है। यात्रा के लिए आवेदन इस वर्ष जुलाई-अगस्त में लिए गए थे। यात्रा सितंबर में प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि तीर्थ स्थानों की यात्रा पर आने वाला समूचा खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

एथलेटिक्स अकादमी श्रीगंगानगर के खिलाड़ियों ने 16 पदक जीते

-सात खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर के लिये चयन

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। बीकानेर में आयोजित जूनियर स्टेट एथलेटिक्स प्रतियोगिता में एथलेटिक्स अकादमी श्रीगंगानगर के खिलाड़ियों ने कई पदक जीते है। खेल अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि 27 से 28 अगस्त तक बीकानेर में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महाराजा गंगासिंह स्टेडियम में संचालित राज्य स्तरीय एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने कुल 16 पदक जीत कर अपना परचम लहराया है। पदकों में चार गोल्ड, 6 सिल्वर मेडल तथा 6 कांस्य पदक शामिल है। भाग लेने वाले खिलाड़ियों में से 7 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर के लिये चयन हुआ है।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं को लेकर हुई चर्चा

जालोर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विवाद एवं शिकायत निवारण तंत्र, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, एमएसएमई नीति-2024, एक जिला-एक उत्पाद 2024 व राजस्थान निर्यात संवर्धन नीति 2024 को लेकर बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में रीको औद्योगिक क्षेत्र भीनमाल में मीठे पानी व सड़कों की व्यवस्था, औद्योगिक क्षेत्र तृतीय चरण जालोर में 33 केवी जीएसएस, स्लरी पाउडर का शत-प्रतिशत उपयोग होने के कारण इसे पर्यावरण विभाग द्वारा ऑरेंज श्रेणी में लिए जाने, रीको औद्योगिक क्षेत्र जालोर में सड़क व रोड़लाईट की व्यवस्था, उद्यान व बगीचों के विकास एवं औद्योगिक क्षेत्र भीनमाल में रीको रेलवे फाटक अण्डर ब्रिज/ओवर ब्रिज के निर्माण के संबंध में चर्चा की गई। इस अवसर पर लीड बैंक अधिकारी रमेश कुमार, विद्त विभाग के अधीक्षण अभियंता माधाराम, रीको के साइट इंजीनियर लोकेन्द्र सिंह, नगरपालिका भीनमाल के अधिशासी अधिकारी तेजराज भण्डारी, कनिष्ठ अभियंता जसपाल सिंह, जेएसओ कृषण मीना व आरओ श्रवणराम उपस्थित रहे।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक हुई सम्पन्न

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के दौरान उन्होंने शेष बचे नल कनेक्शनों को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने हर घर जल योजना के तहत प्रत्येक घर तक पेयजल पहुॅचाने के लिए विभाग द्वारा करवाये गये सर्वे के अनुसार ही कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये साथ ही आमजन को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दियें। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों, चिकित्सा संस्थानों और ग्राम पंचायत भवनों में भी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत करवाए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जावें। उन्होंने हिण्डोली नैनवां प्रोजेक्ट, गरड़दा परियोजना, नोनेरा पेयजल आपूर्ति, बून्दी कलस्टर, नल जल मित्र सहित विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के आवंटित लक्ष्यो की प्रगति की जानकारी लेकर सभी परियोजनाओ में गति बढ़ाने के निर्देश दिये। बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता सुनील शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी सामर, विद्त विभाग के अधीक्षण अभियंता आर के बैरवा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला सहकारी विकास समिति की बैठक गुरुवार को जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने जिले में सहकारी संस्थाओं के सशक्तिकरण और ग्रामीण क्षेत्रों तक सेवाओं की बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में लैम्पस को कॉमन सेवा केंद्र के रूप में विकसित कर ई-सेवाओं की पहुंच को सुदृढ़ करने , प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की स्थापना कर कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की योजना को गति देने, लैम्पस को प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र एवं प्रधानमंत्री कुसुम योजना से जोड़कर उसे बहु- उद्देश्यीय सेवा केंद्र के रूप में रूपांतरित करने के प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला कलक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि बैठक में जिन बिंदुओं पर समीक्षा की गई है उनको समयबद्ध रूप से क्रियान्वित कर विकास कार्यों को और अधिक बेहतर किया जाए। बैठक के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़, प्रबंध निदेशक राजकुमार खांडिया, सहायक निदेशक कृषि गीता रोत, एसीडीओ रवि कुमार पटेल, डीडीएम नाबार्ड महेश कुमार सांखला,सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सान्या मल्होत्रा का नया कर्ली अवतार

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा इन दिनों फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह कर्ली हेयर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। लुक की बात करें तो उन्होंने मिनिमल मेकअप के साथ स्लीवलेस टॉप पहना हुआ है। सान्या ने इसको कैप्शन दिया, छोटे कर्ली हेयर, बड़ी खुशी, नताशा मेरी कर्ल विशेषज्ञ हैं, कर्ली कट के लिए धन्यवाद! अभिनेत्री के पोस्ट करते ही इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने कमेंट सेक्शन में लिखा, मुझे तुम्हारे बालों से प्यार हो गया है। एक यूजर ने लिखा, गॉर्जियस डियर। एक अन्य यूजर ने लिखा, आपके बाल हैं या मैगी। अभिनेत्री की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म की रिलीज डेट को कई बार बदला जा चुका है। अब इसे फाइनली 2 अक्टूबर को रिलीज किया जाएगा। शशांक खेतान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय ओबेरॉय, रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल भी हैं। फिल्म को धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जा रहा है। इससे पहले दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाने के लिए मेकर्स ने फिल्म के टीजर की झलक इंस्टाग्राम पर दिखाई थी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट के साथ एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, मंडप सजेगी, महफिल जमेगी... पर सनी और तुलसी की एंट्री सारी स्क्रिप्ट बदल देगी। टीजर 28 अगस्त गुरुवार को रिलीज होगा। फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी अब बॉक्स ऑफिस पर कांतारा- अ लीजेंड - चैप्टर 1 और हर्षवर्धन राणे की अभिनीत फिल्म एक दीवाने की दीवानियत से टक्कर लेगी।

लारा दत्ता ने किया खुलासा

नो एंट्री का बिपाशा बसु वाला रोल लारा को हुआ था ऑफर

साल 2005 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'नो एंट्री' ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। इसे आज भी लोग देखना पसंद करते हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की थी। इसमें सलमान खान, अनिल कपूर, फरदीन खान, बिपाशा बसु, लारा दत्ता, ईशा देओल, सेलिना जेटली और बोमन ईरानी समेत अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में थे। इस फिल्म को रिलीज हुए 20 साल हो चुके हैं। इस मौके पर फिल्म की एक्ट्रेस लारा दत्ता ने खुलासा किया है कि बिपाशा वाले रोल के लिए उन्हें सेलेक्ट किया गया था।

इस फिल्म की एक फोटो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर लिखा, नो एंट्री के 20 साल पूरे हो गए। समय कितनी तेजी से गुजरता है। यह फिल्म हमेशा मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक रहेगी। कॉमेडी में मेरा पहला कदम, मुझे वह रोल मिला था, जो बाद में बिपाशा ने निभाया था। मुझे याद है कि मैंने अनीस बज्मी से कहा था कि काजल का किरदार मेरे अब तक के सबसे अलग किरदारों में से एक है और मुझे एक बेहद शक्की, बड़बोली, पंजाबी पत्नी का किरदार निभाने के लिए खुद को कड़ी चुनौती देनी होगी। हैरानी की बात है कि मैंने उस किरदार को पूरी तरह से अपनाया और उसे निभाते हुए मुझे बहुत मजा आया।

इसी पोस्ट में एक्ट्रेस ने सारे सह कलाकारों को धन्यवाद भी कहा है। एक्ट्रेस ने बताया कि फरदीन खान ने भी इसे अच्छे से निभाया और ईशा देओल और सेलिना के साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी। सलमान खान के साथ पहली बार वो फिल्म में काम कर रही थीं और उनके साथ काम करने को लेकर थोड़ी नर्वस थीं। कुछ दिनों पहले अनीस बज्मी ने बताया था कि इस फिल्म का पार्ट 2 बन रहा है। जब अनीस बज्मी से पूछा गया कि फिल्म सिनेमाघरों में कब तक रिलीज हो जाएगी, तब उन्होंने बताया, अभी इसमें समय लगेगा क्योंकि मुझे फिल्म की कहानी लिखने में लगभग 2 से 3 महीने लगेंगे। इसके बाद ही हम फिल्म शुरू कर पाएंगे। बताया जा रहा है कि इसे नई कास्ट के साथ बनाया जाएगा। अभी कास्ट के बारे में खुलासा नहीं किया गया है।

साउथ एक्टर विजय और उनके बाउंसरों पर केस दर्ज

तमिलगा वेत्री कझगम के नेता और एक्टर थलापति विजय और उनके बाउंसरों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामले में आरोप है कि 21 अगस्त को मदुरै में हुई विजय की पार्टी की कॉन्फ्रेंस में एक कार्यकर्ता घायल हो गया था। पुलिस ने विजय और उनके सिक्योरिटी स्टाफ के खिलाफ [illegible] की कई धाराओं में केस दर्ज किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शिकायत शरत कुमार ने दर्ज कराई है। उनका कहना है कि वह उस रैम्प पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, जिस पर विजय चल रहे थे। तभी बाउंसरों ने उन्हें धक्का दे दिया। शरत ने बताया कि उन्होंने पाइप पकड़कर खुद को संभालने की कोशिश की, लेकिन आखिरकार नीचे गिर गए और उनके सीने में चोट लग गई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें शरत को रैम्प से फिसलते हुए देखा जा सकता है। वह पहले रेलिंग पकड़ते हैं लेकिन कुछ देर बाद हाथ छूट जाता है और नीचे गिर जाते हैं।

लव इंश्योरेंस कंपनी में 2040 की मोहब्बत को फिर से परिभाषित करती दिखीं कृति शेट्टी

साउथ इंडियन सिनेमा की सबसे होनहार युवा अभिनेत्रियों में से एक, कृति शेट्टी ने अपनी पहली फिल्म उप्पेना में अपनी सफलता के बाद से भावनात्मक रूप से समृद्ध और युवा भूमिकाएँ चुनने के लिए तेज़ी से अपनी पहचान बनाई है। मासूमियत और सशक्त स्क्रीन प्रेजेंस का सुंदर मेल उनकी पहचान बन चुका है। अब वे विनेश शिवन द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी में साइंस फिक्शन की दुनिया में बड़ा कदम रख रही हैं, जहाँ वह प्रतीक रंगनाथन के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। यह उनकी फिल्मोग्राफी में एक महत्वपूर्ण बदलाव है, क्योंकि वे छोटे शहरों की कहानियों और रोमांटिक कॉमेडी से निकलकर एक हाई-कॉन्सेप्ट फ्यूचरिस्टिक लव स्टोरी में नजर आएंगी, जो तकनीक, टाइम ट्रैवल और भावनाओं के धुंधले दायरों की पड़ताल करती है। हाल ही में रिलीज़ हुए टीज़र लव इंश्योरेंस कंपनी- फर्स्ट पंच में कृति के किरदार को साल 2040 की एक अनोखी साइंस-फिक्शन दुनिया में पेश किया गया है। सफेद पोशाक में सजी हुई, हाथों में फूल लिए, बारिश में बाहर निकलती कृति एक ऐसा दृश्य पेश करती हैं जिसे भूल पाना मुश्किल है।

भाई विवेक ओबेरॉय से कभी नहीं रहा अक्षय ओबेरॉय का रिश्ता

बोले- हमारे परिवारों की आपस में बनती नहीं थी

अक्षय ओबेरॉय ने पहली बार कजिन विवेक ओबेरॉय संग बॉन्ड पर बात की है। अक्षय ने खुलासा किया कि उनके और विवेक ओबेरॉय के परिवार के बीच कभी नहीं बनी। उनका विवेक ओबेरॉय संग कभी कोई खास रिश्ता नहीं रहा।

बॉलीवुड में ऐसी कई जोड़ियां हैं, जिनके बीच भाई-भाई, भाई-बहन या फिर कजिन का रिश्ता है, पर बहुत ही कम लोग उनके बारे में जानते हैं। ऐसी ही एक जोड़ी है विवेक ओबेरॉय और अक्षय ओबेरॉय की। दोनों कजिन हैं और एक ही परिवार से हैं, पर बहुत से फिल्ममेकर्स और एक्टर्स तक कई साल तक इस बात से अनजान रहे। खुद विवेक या अक्षय ने भी कभी इस बारे में बात नहीं की कि वो कजिन्स हैं। हालांकि, अब अक्षय ओबेरॉय ने पहली बार विवेक ओबेरॉय और दोनों के परिवारों के बीच रिश्ते पर बात की है। अक्षय ने कहा कि न तो उन दोनों के परिवारों की आपस में कभी बनी और ना ही वह और विवेक रिश्तेदार हैं।

इंटरव्यू में अक्षय ओबेरॉय ने बताया कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में नाम बनाने के लिए क्यों विवेक ओबेरॉय के नाम का सहारा नहीं लिया। वह बोले, मैं ये बात एक पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि किसी को नहीं पता था कि हम रिश्तेदार हैं। यहां तक कि कास्टिंग करने वालों को भी नहीं। किसी को नहीं पता था। और मैंने कभी इस बात का अपने फायदे के लिए इस्तेमाल नहीं किया। मैंने कभी ये बात इसलिए नहीं कही क्योंकि मुझे क्या मिलता?

अक्षय ओबेरॉय ने विवेक ओबेरॉय संग रिश्ते पर की बात

अक्षय ओबेरॉय ने आगे कहा, ऐसा भी नहीं था कि मैं उन्हें फोन करके उनसे बात कर पाता। बदकिस्मती से, मैं ये बात गर्व से नहीं, बल्कि दुख के साथ कहता हूं कि हमारे बीच कोई रिश्ता नहीं था। तो, मैं उन्हें फोन करके क्या पूछता? मैं बस अपने रास्ते पर चलता रहा।

अक्षय ओबेरॉय बोले- कोई मेरी मदद नहीं करेगा

यह पूछे जाने पर कि क्या विवेक ओबेरॉय के करियर में आए उतार-चढ़ाव से उनके करियर पर फर्क पड़ा, तो अक्षय ओबेरॉय बोले, मुझे पूरा यकीन था कि कोई मेरी मदद नहीं करेगा। इस फील्ड में मेरा कोई गुरु, गॉडफादर या मार्गदर्शन नहीं था। अब जब मैं किसी मुकाम पर पहुंचने लगा हूं, तो लोग कड़ियां जोड़ने लगे हैं। जर्नलिस्ट मुझसे पूछते हैं, जिन डायरेक्टर्स के साथ मैंने पहले काम किया है, वो कहते हैं, तुमने मुझे कभी बताया ही नहीं। और मैं सोचता हूं कि मैं तुम्हें क्या बताता?

परिवारों में नहीं बनती, शायद फैमिली के मामले में हम बदकिस्मत रहे

अक्षय ओबेरॉय आगे बोले, कुछ शेयर करने के लिए, कुछ होना जरूरी है, है ना? हमारे परिवारों में कभी बनती नहीं थी, और मैं यहां था। शायद हम एक फैमिली के तौर पर बदकिस्मत रहे। विवेक और उनके पिता, दोनों बहुत अच्छे एक्टर्स हैं, मुझे उस वंश से होने पर गर्व है। लेकिन अगर हम साथ मिलकर काम कर पाते तो मजा आता।

अक्षय ओबेरॉय का करियर और सुरेश ओबेरॉय संग रिश्ता

मालूम हो कि अक्षय ओबेरॉय वेटरन एक्टर सुरेश ओबेरॉय के भाई कृष्ण ओबेरॉय के बेटे हैं। इस नाते, अक्षय जहां सुरेश ओबेरॉय के भतीजे हुए, वहीं विवेक के कजिन। अक्षय ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत थिएटर से की थी। फिर उन्होंने सूरज बड़जात्या की फिल्म इसी लाइफ में से एक्टिंग डेब्यू किया। वह फाइटर, लव हॉस्टल, गैसलाइट के अलावा कई वेब सीरीज भी कर चुके हैं।

'नो फिल्टर नेहा' पॉडकास्ट का किस्सा

जब नेहा धूपिया ने लीक से हटकर सोचा

नेहा धूपिया बॉलीवुड और भारतीय मनोरंजन जगत का एक जाना-माना नाम हैं। उनका जन्म 27 अगस्त 1980 को कोच्चि, केरल में हुआ था। उनके पिता, कमांडर प्रताप सिंह धूपिया, भारतीय नौसेना में थे और उनकी मां, मंजीत धूपिया, एक गृहिणी हैं।

नेहा ने अपना करियर मॉडलिंग से शुरू किया और साल 2002 में फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स का खिताब जीता। इसके बाद वे मिस यूनिवर्स 2002 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने गईं, जहां वे टॉप 10 फाइनलिस्ट में शामिल हुईं। यहीं से उन्हें ग्लैमर इंडस्ट्री में पहचान मिली। नेहा धूपिया ने बॉलीवुड में 2003 में फिल्म कयामत - सिटी अंडर थ्रेट से डेब्यू किया।

इसके बाद उन्होंने कई बड़ी फिल्मों में काम किया, जिनमें जूली, शीशा, क्या कूल हैं हम, और चुप चुप के जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं। फिल्मों के साथ ही उन्होंने अपना खुद का एक पॉडकास्ट भी शुरू किया। इसका नाम 'नो फिल्टर नेहा' है। यह आज भले ही बहुत लोकप्रिय है, लेकिन इसे शुरू करने का किस्सा काफी अनोखा है। 2016 में जब नेहा ने इस पॉडकास्ट को शुरू करने का फैसला किया, तब भारत में पॉडकास्टिंग का कोई चलन नहीं था। अधिकतर लोग यह मानते थे कि मनोरंजन का मतलब सिर्फ वीडियो है और कोई भी सिर्फ ऑडियो शो नहीं सुनेगा। जब नेहा ने अपने दोस्तों और इंडस्ट्री के लोगों से यह आइडिया शेयर किया, तो उन्हें कई तरह के रिएक्शन मिले।

कोई कहता, यह आइडिया फ्लॉप हो जाएगा, तो कोई कहता, इसे कौन सुनेगा? लोगों ने उनको इसे न करने के बहुत से कारण गिनाए। लेकिन, नेहा को अपने आइडिया पर पूरा भरोसा था। वह जानती थीं कि भारत में, जहां इंटरव्यू के दौरान अक्सर सवाल-जवाब बहुत नियंत्रित होते हैं, वहां एक ऐसा प्लेटफॉर्म होना चाहिए, जहां सेलेब्रिटी बिना किसी फिल्टर के खुलकर बात कर सकें। उन्होंने मशहूर हस्तियों को अपने पॉडकास्ट पर लाने के लिए राजी किया।

जब पहला एपिसोड रिकॉर्ड हुआ, तो कुछ कलाकारों को भी यह अजीब लगा कि वे सिर्फ बोल रहे हैं और कैमरा नहीं है। लेकिन, धीरे-धीरे, उन्होंने इस फॉर्मेट को एन्जॉय करना शुरू कर दिया।

अमिताभ बच्चन दिवालिया हो गए पर.., आशीष विद्यार्थी ने याद किया बुरा दौर

अमिताभ बच्चन के करियर में एक समय ऐसा भी था जब वे दिवालिया होने के कगार पर थे। अभिनेता आशीष विद्यार्थी ने उस दौर को याद करते हुए बताया कि कैसे अमिताभ बच्चन मुश्किलों में भी उदार बने रहे। अमिताभ बच्चन अपने करियर के ज्यादातर समय स्टारडम के शिखर पर रहे हैं, लेकिन ये महान अभिनेता ने अपने करियर के एक कठिन दौर से भी गुजरा है। जब उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस ABCL शुरू किया और उसे भारी नुकसान हुआ, तो वे लगभग दिवालिया हो गए थे। इससे भी बदतर, उनका एक्टिंग करियर भी एक बुरे दौर में पहुंच गया था। उस दौर में बच्चन के साथ काम कर चुके अभिनेता आशीष विद्यार्थी ने हाल ही में उस मुश्किल दौर को याद किया और अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के अपने अनुभव शेयर किए। सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में, आशीष ने याद किया कि कैसे, कठिनाइयों के बावजूद, अमिताभ बच्चन विचारशील और उदार बने रहे। उन्होंने कहा, मैं उनके साथ मृत्युदाता में काम करना कभी नहीं भूल सकता, जो उनकी वापसी वाली फिल्म थी। उस दौरान मेरे पिताजी बहुत बूढ़े थे और मेरी मां को हाल ही में दिल का दौरा पड़ा था। इसलिए मैं हर रात उनके पास रहने के लिए दिल्ली वापस जाता था और फिर मैं मुंबई के लिए उड़ान भरता था। इसलिए मैंने अमित जी से अनुरोध किया, क्या आप मेरी मां के लिए एक लेटर लिख सकते हैं? वह अपने दिल के दौरे से उबर रही थीं और मैंने अस्पताल में अपनी मां को वह लेटर पढ़कर सुनाया।

गौरव खन्ना ने बताया अब चाहते हैं बच्चा, लेकिन पत्नी तैयार नहीं, मृदुल से की दिल की बात- बीवी की सोच अलग है

बिग बॉस के घर में नॉमिनेशन के बाद कंटेस्टेंट्स के बीच तनाव बढ़ गया है। गौरव खन्ना परिवार शुरू करने की इच्छा जताते हैं, लेकिन पत्नी की अलग सोच है। तान्या मित्तल अपनी निजी जिंदगी पर घरवालों की टिप्पणी से परेशान हैं। दाल को लेकर गौरव और अन्य सदस्यों के बीच तीखी बहस होती है।

गौरव खन्ना ने बच्चे पर की बात

बिग बॉस के घर में नॉमिनेशन प्रक्रिया होने के बाद से ही ड्रामा और इमोशनल उथल-पुथल का दौर जारी है। कंटेस्टेंट्स अपने इमोशन्स को खुलकर सबके सामने ला रहे हैं और लोगों को ये पसंद भी आ रहा है। हालिया एपिसोड में अनुपमा एक्टर गौरव खन्ना ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है।

बिग बॉस 19 में इस हफ्ते के नॉमिनेशन के बाद, कंटेस्टेंट्स के व्यवहार में आए बदलावों ने एक नया ड्रामा खड़ा कर दिया है। गौरव खन्ना मेन निशाना बनकर उभरे हैं, यहां तक कि उन्हें घर के काम भी सौंप दिए गए हैं। सिंगर अमाल मलिक ने मजाक में यह कहकर तनाव बढ़ा दिया कि गौरव उनकी मां की तरह व्यवहार कर रहे हैं और लगातार उन्हें लिखने के लिए टोक रहे हैं।

बिग बॉस 19 में कंटेस्टेंट्स ने की दिल की बात

तान्या मित्तल भी भावुक हो गईं, जब उन्होंने कुनिका को बताया कि घर के सदस्य लगातार उनकी निजी जिंदगी की जांच-पड़ताल कर रहे हैं, जिससे उन पर दबाव पड़ रहा है। कुनिका ने उन्हें सीमाएं तय करने की सलाह दी और तान्या को याद दिलाया कि वह खुद को समझाने या किसी को शादी का ऑफर देने के लिए नहीं हैं। गौरव खन्ना मृदुल से परिवार शुरू करने के बारे में दिल खोलकर बातचीत करते नजर आए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह बच्चे चाहते हैं, तो गौरव ने स्वीकार किया कि वह चाहते हैं, लेकिन उनकी पत्नी की सोच अलग है।

साभार एजेंसी

कॉमनवेल्थ चैंपियनशिपः

अजीत नारायण ने देश के लिए जीता गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद में आयोजित कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष वेटलिफ्टर अजीत नारायण ने पुरुषों के 71 किलोग्राम भारवर्ग में देश के लिए गोल्ड मेडल जीता तो वहीं निरुपमा देवी सेराम ने महिलाओं की 63 किलोग्राम भारवर्ग में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

26 साल के अजीत ने कुल 317 किलोग्राम (145 किग्रा स्नैच और 172 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर पोडियम पर टॉप पोजीशन हासिल किया और इस दौरान नए रिकॉर्ड भी बनाए। अजीत ने नाइजीरिया के जोसेफ एडिडियोंग उमोआफिया को पछाड़ा जिन्होंने कुल 316 किग्रा (146 किग्रा स्नैच और 170 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर रजत पदक जीता। एजेकील मोसेस ने कुल 290 किग्रा (135 किग्रा स्नैच और 155 किग्रा क्लीन एवं जर्क) भार उठाकर कांस्य पदक जीता। महिलाओं के 63 किग्रा वर्ग में निरुपमा ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए कुल 217 किग्रा (91 किग्रा स्नैच और 126 किग्रा क्लीन एवं जर्क) के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

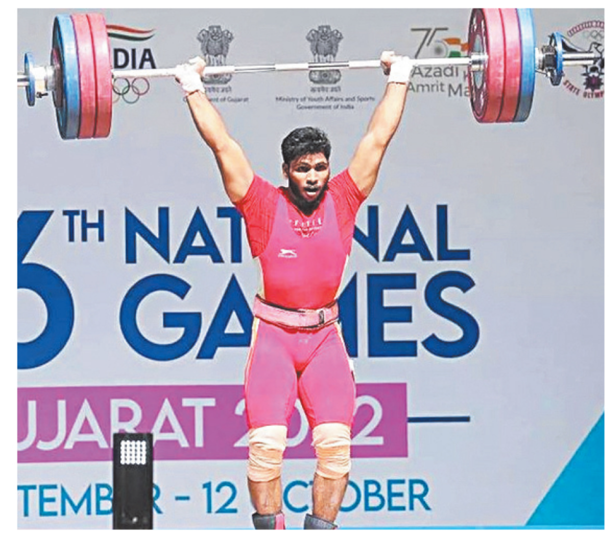

चौबीस वर्षीय निरुपमा के क्लीन एवं जर्क प्रदर्शन ने पिछले राष्ट्रमंडल रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। कनाडा की माउड चारोन ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता जबकि कांस्य पदक नाइजीरिया की रूथ इमोलेयो अयोडेले के नाम रहा।

भारत ने जूनियर वर्ग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 71 किग्रा पुरुष तथा 63 किग्रा महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। हेमंत दोइमारी (पुरुष) और बिदुस्मिता भोई (महिला) ने चैंपियनशिप में अपने-अपने भार वर्गों में शीर्ष स्थान हासिल किया। जूनियर पुरुषों के 71 किग्रा वर्ग में 18 वर्षीय हेमंत ने 264 किग्रा (118 किग्रा स्नैच और 146 किग्रा क्लीन एवं जर्क) के साथ स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण अफ्रीका के जोनाथन इवान ट्रम्बल ने 262 किग्रा (112 किग्रा स्नैच और 150 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन के साथ रजत जबकि श्रीलंका के ओडिथा थारुपथी नारायणगे ने 206 किग्रा (95 किग्रा स्नैच और 111 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। महिलाओं के जूनियर 63 किग्रा में 20 वर्षीय बिदुस्मिता ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए 204 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 115 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

वनडे वर्ल्ड कप जीतना मेरा सपना : मो.शमी

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी ने अपनी रिटायरमेंट की अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। 34 साल के शमी ने साफ कहा कि जब तक उनमें खेल के प्रति जुनून और प्रेरणा बनी रहेगी, वह मैदान पर डटे रहेंगे। शमी को इंग्लैंड में एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी और 9 सितंबर से यूएई में शुरू हो रहे एशिया कप के लिए भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है। शमी ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में शमी ने रिटायरमेंट की अफवाहों पर तीखा जवाब देते हुए कहा,अगर किसी को मुझसे दिक्कत है, तो सामने आकर बताए। मेरे रिटायर होने से किसकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी? मैं किसी की जिंदगी में पत्थर क्यों बनूं कि तुम्हें मुझसे रिटायरमेंट चाहिए? जिस दिन मुझे बोरियत होगी, मैं खुद मैदान छोड़ दूंगा। आप मुझे न चुनें, न खिलाएं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं मेहनत करता रहूंगा। घरेलू क्रिकेट में भी खेलने को तैयार शमी ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका न मिले, तो वह घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, अगर आप मुझे अंतरराष्ट्रीय मैचों में नहीं चुनते, तो मैं घरेलू क्रिकेट खेलूंगा। मैं कहीं न कहीं खेलता रहूंगा। रिटायरमेंट जैसा फैसला तब लिया जाता है, जब आपको लगे कि आप बोर हो गए हैं, जब आप सुबह 7 बजे टेस्ट मैच के लिए उठना नहीं चाहते। लेकिन मेरे लिए अभी वह वक्त नहीं आया। आप चाहें तो मैं सुबह 5 बजे भी उठकर तैयार हो जाऊंगा। ओडीआई वर्ल्ड कप जीतने का अधूरा सपना शमी ने बताया कि उनका सबसे बड़ा लक्ष्य वनडे वर्ल्ड कप जीतना है, जो उनका एकमात्र अधूरा सपना है। 2023 वर्ल्ड कप में भारत के फाइनल तक पहुंचने की याद ताजा करते हुए उन्होंने कहा,मेरा एक ही सपना बाकी है, वह है वनडे वर्ल्ड कप जीतना। 2023 में हम बहुत करीब थे। हमें भरोसा था, लेकिन नॉकआउट स्टेज में डर भी था। फैंस का उत्साह और समर्थन हमें प्रेरित करता था। शायद उस वक्त मेरी किस्मत में नहीं था, लेकिन मैं 2027 में वहां होना चाहता हूं।

फुजैराह ग्लोबल शतरंजः

विश्व जूनियर चैम्पियन प्रणव नें शीर्ष वरीय निहाल को हराया

फुजैराह ,संयुक्त अरब अमीरात, एजेंसी। में चल रहे पहले फुजैराह टूर्नामेंट का आगाज़ सनसनीखेज़ अंदाज़ में हुआ। मौजूदा विश्व जूनियर चैम्पियन भारत के प्रणव वेंकटेश ने शीर्ष वरीय और हाल ही में एशियन 2025 के रजत पदक विजेता हमवतन निहाल सारिन को मात देते हुए शानदार जीत दर्ज की।

काले मोहरो से खेल रहे निहाल सिसिलियन ओपनिंग में खेल के मध्य में लगातार दबाव झेलते रहे, जगह की कमी के कारण उनके मोहरो को खेल में सक्रिय होने में ख़ासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और ऐसे में खेल की 29वीं चाल में उनका ऊंट प्रणव के राजा की ओर फँस गया और बाजी उनके हाथ से निकलने लगी हालांकि खेल की 45वीं चाल में प्रणव की एक गलत चाल से निहाल को वापसी का मौका मिला पर वह इसे भुना नहीं पाये और 71 चाल तक चले मुक़ाबले के बाद वह बाजी हार गए ।

2700 रेटिंग के बेहद करीब निहाल के लिए यह हार बड़ा झटका है और खेल के बाद वह बेहद निराश नजर आए , पिछले ही हफ्ते चेन्नई ग्रांड मास्टर्स में निहाल नें प्रणव को पराजित किया था और इस तरह प्रणव नें अपनी हार का हिसाब निहाल से बराबर कर लिया है । सुपर स्टार टूर्नामेंट में कुल दुनिया के चुनिन्दा 44 खिलाड़ी भाग ले रहे है और इसकी औसत रेटिंग 2606 है जो इसे बेहद खास बनाती है और पहले दिन कई उलटफेर देखने को मिले , दूसरे वरीय भारत के रौनक साधवानी को फीडे के अलेक्सी ग्रेबनेव नें ड्रॉ पर रोका तो तीसरे वरीय अमीन तबातबाई को रोमानिया के अलेक्ज़ेंडर मोत्यलेव नें पराजित करते हुए सभी को चौंका दिया । भारत के एस एल नारायणन ने अमेरिका के जीएम सैम शेंक्लैंड से बाज़ी ड्रॉ खेली तो भारत के प्रणव आनंद नें मेज़बान यूएई के दिग्गज जीएम सलेम सालेह को रोका।

ग्रांड मास्टर प्रनेश एम ने मैक्सिको के जीएम जोस मार्टिनेज अलकांतारा के साथ अंक बाँटा। वहीं हंगरी के सनन सुज्गिरोव नें हमवतन एडम कोजक को मात देते हुए अपना पहला अंक बनाया । पहले ही दिन उलटफेर का आलम यह रहा की नौवे वरीय सनन अब पहले बोर्ड पर अपनी दूसरे राउंड की बाजी खेलेंगे तो 12 वें वरीय दूसरे बोर्ड पर 18वें वरीय अभिमन्यु मिश्रा तीसरे बोर्ड पर खेलते नजर आएंगे । मतलब 18 शीर्ष खिलाड़ियो में 15 शीर्ष वरीय खिलाड़ियों को या तो हार या ड्रॉ के परिणाम ही हासिल हुए , इससे हम इस सुपर स्टार वर्ग की कड़ी प्रतिस्पर्धा का अंदाजा लगा सकते है ।

कुल मिलाकर 44 ग्रांडमास्टर्स के साथ यह टूर्नामेंट 2606 की औसत रेटिंग वाला बेहद मज़बूत आयोजन है। इसमें कुल 1,25,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि रखी गई है, जिसमें सुपरस्टार्स वर्ग के लिए 80,000 डॉलर, मास्टर्स वर्ग (2200-2599) के लिए 30,000 डॉलर और ओपन वर्ग (<2200) के लिए 15,000 डॉलर शामिल हैं। शीर्ष तीन पुरस्कार क्रमशः 23,000, 13,000 और 9,000 डॉलर हैं।

पूर्व चयनकर्ता ने दिया बयान

भारत के 2026 टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। जहां एक तरह एशिया कप को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं दूसरी तरफ पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता क्रिस श्रीकांत ने आगामी टी20 विश्व कप में भारत के खिताब संभावनाओं पर संदेह जताया है। श्रीकांत का मानना है कि इस टीम के साथ भारत 2026 का विश्व कप नहीं जीत पाएगा। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हम इस टीम के साथ एशिया कप तो जीत सकते हैं, लेकिन टी20 विश्व कप जीतने की कोई संभावना नहीं है। क्या आप इस टीम को विश्व कप में ले जाएंगे? क्या यह टी20 विश्व कप की तैयारी है जो मुश्किल से छह महीने दूर है? टीम में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय शुभमन गिल की उप-कप्तान के तौर पर वापसी थी जो एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की 2-2 से ड्रॉ हुई सीरीज के बाद हुई। गिल ने आखिरी बार जुलाई 2024 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैच खेला था। वहीं जनवरी में इंग्लैंड के साथ द्विपक्षीय सीरीज के दौरान अक्षर पटेल उप-कप्तान थे लेकिन अब उन्हें इस पद से हटा दिया गया है जो पूर्व चयनकर्ता अच्छा नहीं लगा। उन्होंने रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा को टीम में शामिल करने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वे पीछे चले गए हैं। अक्षर पटेल को उप-कप्तानी से हटा दिया गया है। मुझे नहीं पता कि रिंकू सिंह, शिवम दुबे और हर्षित राणा कैसे टीम में आ गए। को चयन का मुख्य मानदंड माना जाता है, लेकिन लगता है कि चयनकर्ताओं ने उससे पहले के प्रदर्शन पर विचार किया है। श्रीकांत ने भारत के लिए 5वें नंबर के बल्लेबाज पर भी प्रश्न किया। उन्होंने कहा, पांचवें नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा? पांचवें नंबर पर संजू सैमसन, जितेश शर्मा, शिवम दुबे या रिंकू सिंह में से कोई एक होना चाहिए। हार्दिक पांड्या आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं इसलिए अब अक्षर छठे नंबर पर बल्लेबाजी नहीं कर सकते। मुझे समझ नहीं आ रहा कि उन्होंने दुबे को कैसे चुना। यशस्वी जायसवाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह क्या करते हैं।

यूएस ओपनः रैकेट तोड़ा...अंपायर से भिड़े, मेदवेदेव पर लगा लाखों रुपये का जुर्माना

न्यूयॉर्क , एजेंसी। मेदवेदेव के करियर में यह पहली बार नहीं है जब उनका गुस्सा कोर्ट पर सुर्खियां बना हो। पूर्व नंबर-एक खिलाड़ी होने के बावजूद उनकी छवि कई बार अनुशासनहीनता और विवादित बर्ताव के कारण सवालों के घेरे में रही है। रूस के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और पूर्व विश्व नंबर-एक दानिल मेदवेदेव अमेरिकी ओपन 2025 के पहले दौर में हार के साथ ही विवादों में घिर गए। मैच के दौरान कोर्ट पर खेल भावना के विपरीत आचरण और गुस्से में रैकेट तोड़ने के कारण उन पर भारी जुर्माना लगाया गया है। टूर्नामेंट रैफरी जैक गार्नर ने मेदवेदेव पर कुल 42,500 डॉलर (35.7 लाख रुपये) का दंड ठोका, जो उनकी मैच फीस 1,10,000 डॉलर का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है।

गुस्से की वजह-कोर्ट पर फोटोग्राफर की मौजूदगीः घटना उस समय हुई जब मेदवेदेव अपने प्रतिद्वंद्वी फ्रांस के खिलाड़ी बेंजामिन बोंजी के खिलाफ तीसरे सेट में खेल रहे थे।

बोंजी 5-4 की बढ़त पर थे तभी अचानक एक फोटोग्राफर कोर्ट के किनारे पर चलने लगा, जिससे मेदवेदेव का ध्यान भटक गया। मेदवेदेव ने तुरंत चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ से शिकायत की, लेकिन अंपायर ने फोटोग्राफर को हटाने के बाद बोंजी को फिर से पहली सर्विस की अनुमति दे दी। इसी फैसले से मेदवेदेव भड़क उठे और उन्होंने कोर्ट पर अपना गुस्सा जाहिर किया।

फोटोग्राफर की मान्यता रद्दः इस घटना के बाद चेयर अंपायर ने फोटोग्राफर को बाहर जाने का आदेश दिया और उसकी मान्यता भी रद्द कर दी गई। बावजूद इसके, मेदवेदेव का गुस्सा कम नहीं हुआ और उन्होंने मैच खत्म होने के बाद अपना रैकेट तोड़कर नाराजगी जाहिर की।

जुर्माने का ब्योराः टूर्नामेंट रैफरी ने मेदवेदेव के खिलाफ दो अलग-अलग उल्लंघन दर्ज किए। 30,000 डॉलर खेल भावना के विपरीत आचरण पर और 12,500 डॉलर रैकेट तोड़ने की हरकत पर। इस तरह कुल मिलाकर उन पर 42,500 डॉलर का जुर्माना लगाया गया।

गत चैंपियन आर्यना सबालेंका तीसरे दौरे में पहुंची

न्यूयॉर्क, एजेंसी। गत चैंपियन आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन के तीसरे दौरे में जगह बना ली है। सबालेंका ने पोलिना कुडेरमेतोवा को हराकर तीसरे दौरे में जगह बनाई। सबालेंका ने दूसरे दौर के मैच में गैर-वरीयता प्राप्त पोलिना कुडेरमेतोवा को 7-6(4), 6-2 से हराया। पहले सेट में जीत के लिए सबालेंका को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन दूसरा सेट उन्होंने आसानी से जीता। दूसरे सेट में पोलिना कुडेरमेतोवा ने घुटने की चोट के इलाज के लिए मेडिकल टाइमआउट लिया था। नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका अगर फाइनल में पहुंचती हैं और खिताब जीतने में सफल रहती हैं, तो सेरेना विलियम्स के बाद दूसरी खिलाड़ी बनेंगी। सेरेना ने 2012 से 2014 तक लगातार तीन बार यूएस ओपन महिला एकल खिताब जीता था। सबालेंका का अगला मुकाबला 31वीं वरीयता प्राप्त कनाडाई खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज से होगा, जिन्होंने फ्रांस की एल्सा जैक्केमोट को 6-2, 3-6, 6-2 से हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में दूसरे दौर के मुकाबले में गैर-वरीयता प्राप्त अमेरिकी इवा जोविक को 6-3, 6-3 से हराया।

पीकेएल 2025: प्रो कबड्डी में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में तूफानी शतक ठोकने वाले राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब प्रो कबड्डी में एंट्री करने जा रहे हैं. 14 साल के इस खिलाड़ी ने IPL 2025 के बाद इंग्लैंड में अपनी बल्लेबाजी का कमाल दिखाया और इंग्लिश गेंदबाजों की खूब पिटाई की. अब उन्हें प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन में बुलाया गया है. जो बड़े कमाल की बात है. प्रो कबड्डी लीग 2025 की शुरुआत विशाखापत्तनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में नेशनल स्पोर्ट्स डे के मौके पर 29 अगस्त से होने जा रही है. इसका आगाज अंडर-19 टीम के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी करेंगे. इस दौरान कई खेलों के पूर्व खिलाड़ी भी मौजूद रहेंगे.

प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन का आगाज बैडमिंटन के दिग्गज पुलेला गोपीचंद, पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान धनराज पिल्लै, कबड्डी सुपरस्टार प्रदीप नरवाल और टीम इंडिया के अंडर-19 टीम के ओपनर वैभव सूर्यवंशी करेंगे. वैभव सूर्यवंशी ने इस पर खुशी जाहिर की है. उन्होंने कहा कि नेशनल स्पोर्ट्स डे मुझे याद दिलाता है कि कैसे खेल सभी को एक साथ लाते हैं. खेल आपको टीम वर्क, अनुशासन सिखाता है. मैं राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर अपने को भाग्यशाली मानता हूं. मुझे उम्मीद है कि मेरे जैसे और भी बच्चे खेलना शुरू करेंगे और खुद पर विश्वास करेंगे.

पीवी सिंधु की दमदार वापसी, विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने फिर अंतिम क्षण में मिली बढ़त की बदौलत बुधवार 27 अगस्त 2025 की रात मलेशिया की लेत्शाना करुपाथेवन को हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के महिला एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले गेम में 12-18 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए दुनिया की 40वें नंबर की खिलाड़ी लेत्शाना को 42 मिनट में 21-19, 21-15 से शिकस्त दी। अब उनका सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झि यि से होगा।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने इसके बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे के यांग पो हान और लियू कुआंग हेंग को 22-20, 21-13 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने आयरलैंड के जोशुआ मैगी और मोया रयान की जोड़ी को महज 35 मिनट में 21-11, 21-16 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इस 16वीं वरीय भारतीय जोड़ी का सामना हॉन्गकॉन्ग के तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा। सिंधु मंगलवार को पहले दौर के मैच में बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा के खिलाफ कुछ मुश्किलों से जूझ रही थीं। लेत्शाना के खिलाफ भी पीवी सिंधु को लय हासिल करने में दिक्कत हुई। वह शुरू में मलेशियाई खिलाड़ी को दबाव में नहीं ला सकीं और पिछड़ती रहीं। पर अंत में

सात्विक-चिराग और ध्रुव-तनीषा ने भी दिखाया जलवा

वापसी करने में सफल रहीं। लेत्शाना आक्रामक शुरुआत की जिससे सिंधु 1-4 से पीछे हो गईं। मलेशियाई खिलाड़ी ने दबदबा कायम रखते हुए अपने 'डाउन-द-लाइन स्मैश' और तेज 'नेट प्ले' से ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली। तकनीकी और शारीरिक रूप से मजबूत लेत्शाना के आक्रामक खेल ने सिंधु की अनिरंतरता को उजागर कर दिया। भारतीय खिलाड़ी पिछड़ती रहीं। मलेशिया की खिलाड़ी 18-12 के स्कोर पर नियंत्रण बनाए थीं। पर यहीं सिंधु ने वापसी की। उन्होंने लगातार छह अंक बनाकर स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया जिसमें लेत्शाना की एक गलती का भी उन्हें फायदा मिला। मलेशियाई खिलाड़ी दबाव में एक स्मैश वाइड कर बैठीं।

फिर सिंधु ने 19-19 के स्कोर पर संयम बनाए रखा और एक बेहतरीन स्मैश लगाकर 'गेम पॉइंट' हासिल किया। मैच में पहली बार सिंधु आगे निकलीं। भारतीय खिलाड़ी ने बैकलाइन पर लेत्शाना की कमजोर प्रतिक्रिया से अंक हासिल किया। उन्होंने फिर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के एक और शॉट को लंबा भेजने से गेम अपने नाम कर लिया। पीवी सिंधु ने फिर दूसरे गेम में भी यही लय जारी रखते हुए 5-1 से बढ़त हासिल कर ली। मलेशियाई खिलाड़ी को अपनी गति बनाए रखने में मुश्किल हो रही थी जिससे सिंधु 7-3 के बाद 9-5 से आगे हो गईं। हालांकि, बैकलाइन पर सिंधु कुछ गलतियां भी कर बैठीं, पर एक नेट कॉर्ड विनर से वह 10-6 से आगे हो लीं।

इसके बाद पीवी सिंधु पूरी तरह से नियंत्रण में दिख रही थीं। उनके स्मैश में विविधता से मलेशियाई खिलाड़ी परेशान हो गईं, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सात मैच पॉइंट हासिल कर लिए और फिर मलेशियाई खिलाड़ी के गलत फोरहैंड से मैच जीत लिया। पुरुष युगल में सात्विक और चिराग की जोड़ी ने अपनी आक्रामक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए बैककोर्ट से कुछ जबरदस्त स्मैश लगाए।

शाह बोले- पीएम को जितनी गाली दोगे, उतना कमल खिलेगा

-कहा- राहुल में थोड़ी भी शर्म है तो मोदीजी और उनकी मां से माफी मांगें

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। शुक्रवार को असम के दौरे पर पहुंचे शाह ने गुवाहाटी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ जिस तरह की आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया है, वह बेहद निंदनीय है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि "पीएम को जितनी गाली दोगे, उतना कमल खिलेगा।"

कांग्रेस पर करारा प्रहार

अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माताजी के लिए अपशब्द कहे। यह कांग्रेस की हताशा और निराशा का प्रमाण है। शाह ने कहा कि जो पार्टी जनता का समर्थन खो चुकी है, वह ऐसे ही दूषित प्रयासों से देश का माहौल बिगाड़ने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा, "मोदीजी की माताजी का जीवन एक गरीब घर में संघर्ष करते हुए बीता। उन्होंने अपने सभी बच्चों को संस्कार और मेहनत की शिक्षा दी। आज उनका बेटा पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन कर रहा है। कांग्रेस अगर सोचती है कि इस तरह के अपशब्दों से मोदीजी का मनोबल टूट जाएगा तो यह उनकी गलतफहमी है।"

राहुल गांधी से माफी की मांग

अमित शाह ने साफ शब्दों में कहा कि अगर राहुल गांधी में थोड़ी भी राजनीतिक नैतिकता और शर्म बाकी है तो उन्हें तुरंत प्रधानमंत्री मोदी और उनकी दिवंगत मां से किए गए अपशब्दों के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गाली-गलौज की राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। शाह ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस लगातार प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ व्यक्तिगत हमले करती है, लेकिन जनता हर बार उन्हें करारा जवाब देती है। यही कारण है कि जितनी बार कांग्रेस और विपक्षी नेता मोदी जी को अपमानित करते हैं, उतनी ही मजबूती से जनता भारतीय जनता पार्टी को समर्थन देती है।

असम दौरे का कार्यक्रम

गृह मंत्री अमित शाह इस समय असम के दो दिवसीय दौरे पर हैं। गुवाहाटी पहुंचकर उन्होंने राजभवन के नवनिर्मित ब्रह्मपुत्र विंग का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में कई विकास परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार उत्तर-पूर्वी राज्यों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बीते दस वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र का चेहरा बदल गया है। पहले जो क्षेत्र उपेक्षा और असुरक्षा से जूझ रहा था, वहां आज शांति और विकास की नई कहानी लिखी जा रही है।

भाजपा की रणनीति और सियासी संदेश

शाह का यह बयान केवल कांग्रेस की आलोचना तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक व्यापक सियासी संदेश भी छिपा है। भाजपा यह बताना चाहती है कि प्रधानमंत्री मोदी पर होने वाले व्यक्तिगत हमले जनता को स्वीकार नहीं हैं। इसके उलट, ऐसे हमले भाजपा के लिए राजनीतिक फायदा बन जाते हैं। शाह ने सभा में मौजूद लोगों से आह्वान किया कि वे कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को ठुकराकर मोदी जी के विकास कार्यों और विज़न का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में भी जनता यह साबित करेगी कि गाली-गलौज से राजनीति नहीं चलती, बल्कि विकास और जनता के विश्वास से सरकारें बनती हैं।

मोदी की मां का संघर्षपूर्ण जीवन

अमित शाह ने खासतौर पर प्रधानमंत्री मोदी की माताजी हीराबेन मोदी के संघर्षपूर्ण जीवन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एक गरीब परिवार में जन्मी और साधारण जीवन जीने वाली मां ने अपने बेटे को कठिन परिस्थितियों में पाला और अच्छे संस्कार दिए। आज वही बेटा भारत को वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। शाह ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को शर्म आनी चाहिए कि उन्होंने ऐसी महिला पर अपशब्द कहे, जिन्होंने गरीबी में भी परिवार को संभालकर बच्चों को संस्कारित किया।

विपक्ष को सीधा संदेश

गृह मंत्री ने अपने संबोधन के अंत में कहा कि विपक्ष को यह समझ लेना चाहिए कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना उनके राजनीतिक भविष्य के लिए घातक साबित होगा। उन्होंने कहा कि देश की जनता अब जागरूक है और वह गाली की राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। असम में अमित शाह का यह बयान न केवल कांग्रेस और राहुल गांधी पर सीधा हमला है, बल्कि भाजपा की चुनावी रणनीति का भी हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी को व्यक्तिगत तौर पर निशाना बनाने की कांग्रेस की कोशिशों को शाह ने राजनीतिक आत्मघाती बताया और कहा कि इसका फायदा अंततः भाजपा को ही होगा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा – "पीएम को जितनी गाली दोगे, उतना कमल खिलेगा।"

पटना में सियासी संग्राम: राहुल गांधी की यात्रा में PM को गाली

-बीजेपी-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हिंसक टकराव

पटना, दरभंगा। बिहार की राजधानी पटना शुक्रवार को राजनीति के सबसे गरम मुद्दे का केंद्र बन गई। मामला राहुल गांधी की "वोटर अधिकार यात्रा" से जुड़ा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माताजी के लिए अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया गया। इस घटना ने बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आमने-सामने ला दिया। देखते ही देखते दोनों गुटों के बीच जमकर लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले।

घटना कैसे शुरू हुई

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह बीजेपी कार्यकर्ता पटना स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के लिए पहुंचे। वे राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। कुछ देर तक माहौल सामान्य रहा, लेकिन जैसे ही कांग्रेस कार्यकर्ता भी बाहर आए और उन्होंने जवाबी नारेबाजी शुरू की, विवाद हिंसक टकराव में बदल गया। मौके पर हालात बिगड़ते ही दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हमला करना शुरू कर दिया। इस दौरान कई गाड़ियों के शीशे तोड़े गए और सड़कों पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पुलिस की भूमिका

बवाल बढ़ता देख पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। पहले उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं को खदेड़ा, ताकि कांग्रेस और बीजेपी गुटों को अलग किया जा सके। इसके बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ता वहीं धरने पर बैठ गए और सड़क जाम कर दिया। लगभग आधे घंटे तक सड़क पर बैठकर उन्होंने नारेबाजी की। बाद में पुलिस ने उन्हें भी वहां से हटाकर जाम खुलवाया।

आरोपी की गिरफ्तारी

इस पूरे विवाद की जड़ दरभंगा जिले से जुड़ी बताई जा रही है। दरभंगा पुलिस ने गुरुवार देर रात रिजवी उर्फ राजा नामक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के भपुरा गांव का रहने वाला है और पिकअप ड्राइवर के रूप में काम करता है। पुलिस का कहना है कि इसी युवक ने राहुल गांधी की यात्रा के दौरान मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माताजी के लिए अपशब्द कहे थे।

अमित शाह का तीखा बयान

मामले पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि — "राहुल गांधी की यात्रा में पीएम मोदी की माताजी के लिए अपशब्द बोलकर कांग्रेस ने सबसे घृणित काम किया है। जिस प्रकार की राजनीति राहुल गांधी ने शुरू की है, वह हमारे सार्वजनिक जीवन को ऊंचाई नहीं देगी। यह आज की बात नहीं है, नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बने हैं तब से सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मणिशंकर अय्यर जैसे नेता बार-बार गालियां देते रहे हैं।"

राहुल गांधी का जवाब

राहुल गांधी ने घटना के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व ट्विटर) पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा—

"सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है - हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते।" राहुल ने अपने संदेश में हिंसा की राजनीति को नकारते हुए खुद को संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के पक्ष में खड़ा दिखाने की कोशिश की।

नीतीश कुमार ने जताई नाराज़गी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने X पर लिखा—

"यह घटना अत्यंत अशोभनीय है। मैं इसकी निंदा करता हूं।" उनका बयान इस बात की ओर इशारा करता है कि सत्ता और विपक्ष के बीच राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन अभद्र भाषा और हिंसा की राजनीति लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

बढ़ता राजनीतिक तनाव

इस घटना ने बिहार की सियासत में नया उबाल ला दिया है। जहां बीजेपी राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमला बोल रही है, वहीं कांग्रेस इसे बीजेपी की साजिश बताकर अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की कोशिश कर रही है। दोनों दलों के बीच बढ़ती तल्खी का असर आने वाले चुनावी माहौल पर भी साफ दिखेगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि पीएम मोदी की मां के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल आम जनता की भावनाओं को चोट पहुंचा सकता है। बीजेपी इस मुद्दे को जनता के बीच भुनाने की पूरी कोशिश करेगी। दूसरी ओर कांग्रेस इसे "सत्य बनाम असत्य" और "अहिंसा बनाम हिंसा" की लड़ाई बताकर नैतिक ऊंचाई लेने का प्रयास कर रही है। पटना की सड़कों पर हुआ यह सियासी टकराव केवल एक स्थानीय घटना नहीं, बल्कि मौजूदा राजनीति के बिगड़ते मिजाज का आईना है। नेताओं के भाषणों में बढ़ती कटुता और अपशब्दों का इस्तेमाल देश की लोकतांत्रिक मर्यादाओं को चुनौती देता है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे अपने विरोध को लोकतांत्रिक तरीकों से प्रकट करें, न कि हिंसा और अभद्र भाषा का सहारा लें। इस घटना से साफ है कि बिहार की सियासत आने वाले दिनों में और गरम होगी।

हिमाचल-उत्तराखंड में तबाही: चंबा में लैंडस्लाइड से 11 श्रद्धालु मौत के शिकार

-4 जिलों में बादल फटा; 5 की जान गई, कई लापता

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बीते 24 घंटे के भीतर भारी बारिश ने भारी तबाही मचाई है। पहाड़ों में लैंडस्लाइड और बादल फटने की घटनाओं ने कई परिवारों को उजाड़ दिया है। जहां हिमाचल के चंबा जिले में मणिमहेश यात्रा पर निकले 11 श्रद्धालुओं की लैंडस्लाइड में मौत हो गई, वहीं उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और टिहरी गढ़वाल जिलों में बादल फटने से 5 लोगों की जान चली गई और कई लोग लापता हो गए।

चंबा में मणिमहेश यात्रा के दौरान हादसा

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के भरमौर क्षेत्र में यह दर्दनाक हादसा हुआ। भारी बारिश के बीच श्रद्धालु मणिमहेश यात्रा पर निकले थे। अचानक पहाड़ से पत्थर गिरने और ऑक्सीजन की कमी की वजह से 11 श्रद्धालुओं की जान चली गई। मृतकों में 3 पंजाब, 1 उत्तर प्रदेश और 5 स्थानीय चंबा निवासी बताए गए हैं। दो श्रद्धालुओं की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। अधिकारियों ने बताया कि इस वक्त भरमौर में करीब 3 हजार श्रद्धालु फंसे हुए हैं। सेना, पुलिस और रेस्क्यू टीमें उन्हें सुरक्षित निकालने के प्रयास में लगी हुई हैं। इससे पहले भी बीते सप्ताह चंबा में लैंडस्लाइड की वजह से 7 श्रद्धालुओं की मौत और 9 के लापता होने की खबर आई थी। लगातार हो रही बारिश और पहाड़ी इलाकों में ढलान खिसकने से हालात और गंभीर हो गए हैं।

उत्तराखंड में बादल फटा, चार जिलों में तबाही

इसी बीच उत्तराखंड में भी आसमान से आफत बरसी। रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और टिहरी गढ़वाल जिलों में गुरुवार रात बादल फटने से 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग अब भी लापता हैं। कई गांवों में पानी और मलबा घुस गया है। अधिकारियों के मुताबिक करीब 30 से 40 परिवार मलबे के ढेर में दब गए और दर्जनों मकान क्षतिग्रस्त हो गए। रुद्रप्रयाग के जखोली इलाके में मकान गिरने से एक महिला की मौत हो गई। बागेश्वर जिले के पौसारी में बारिश के चलते दो लोगों की मौत हुई। वहीं, 8 मजदूर (4 नेपाली और 4 स्थानीय) मलबे में दब गए। फिलहाल उनके बचाव कार्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस जुटी हुई है।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

रुद्रप्रयाग जिले में मलबे में दबे 70 से ज्यादा लोगों को अब तक सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। हालांकि अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और खतरे के निशान से ऊपर पहुंच चुका है। इससे आसपास के रिहायशी इलाकों में पानी घुस गया है। चमोली में भी कई परिवारों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ स्थानीय लोग भी राहत और बचाव कार्य में मदद कर रहे हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और पुलिस की टीमें प्रभावित जिलों में लगातार काम कर रही हैं। कई जगहों पर मलबा हटाने और रास्ते खोलने का काम भी जारी है।

पहाड़ों में लगातार बरसात से बढ़ा खतरा

हिमाचल और उत्तराखंड दोनों ही राज्यों में इस समय लगातार बारिश हो रही है।

जिनपिंग की सीक्रेट चिट्ठी से सुधरे भारत-चीन रिश्ते

-ट्रम्प टैरिफ संकट ने बदली कूटनीति

नई दिल्ली/बीजिंग (एजेंसी)। भारत और चीन के रिश्ते हमेशा से उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। कभी सीमा विवाद और सैन्य तनाव की वजह से दोनों देशों में खटास दिखती है, तो कभी व्यापारिक साझेदारी और वैश्विक कूटनीति उन्हें करीब लाने की कोशिश करती है। हाल ही में ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट ने इस संबंध में एक नया खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक सीक्रेट चिट्ठी लिखी थी, जिसमें उन्होंने अमेरिका की नीतियों, खासकर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ फैसलों से चीन को होने वाली मुश्किलों का ज़िक्र किया था।

ट्रम्प का टैरिफ और चीन की परेशानी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने कार्यकाल में चीन के खिलाफ बड़े स्तर पर ट्रेड वॉर (व्यापार युद्ध) छेड़ा था। उन्होंने चीनी आयात पर भारी टैरिफ लगाए, जिससे बीजिंग की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया। ट्रम्प की रणनीति चीन की आर्थिक ताकत को चुनौती देने की थी, लेकिन इसका असर वैश्विक व्यापार पर भी पड़ा। इसी दौरान चीन ने भारत को एक अहम साझेदार के तौर पर देखना शुरू किया। बीजिंग को समझ में आया कि अगर अमेरिका का दबाव लगातार बढ़ता है, तो उसे अपने पड़ोसियों और बड़े बाजारों वाले देशों से संबंध सुधारने होंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू को लिखी चिट्ठी

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, जिनपिंग ने राष्ट्रपति मुर्मू को जो चिट्ठी लिखी, उसमें उन्होंने दो मुख्य बातें कहीं— अमेरिका की आक्रामक नीतियों से चीन पर गंभीर असर पड़ रहा है। भारत और चीन अगर आपसी मतभेदों को किनारे रखकर सहयोग करें, तो दोनों देशों के हित सुरक्षित रह सकते हैं। यह चिट्ठी एक तरह से बीजिंग का "शांतिपूर्ण संदेश" थी, जिसमें भारत को भरोसेमंद साझेदार मानने का संकेत दिया गया।

गुपचुप कूटनीति की शुरुआत

रिपोर्ट बताती है कि मार्च में, जब ट्रम्प का टैरिफ विवाद चरम पर था, उसी समय बीजिंग ने नई दिल्ली से गुपचुप चैनल्स के ज़रिए संपर्क साधना शुरू कर दिया था। यह कोई आधिकारिक घोषणा नहीं थी, बल्कि बैकडोर डिप्लोमेसी थी, जो धीरे-धीरे रिश्तों को नया मोड़ देने लगी। भारत के लिए भी यह समय अहम था। एक तरफ अमेरिका और भारत के बीच रणनीतिक संबंध मजबूत हो रहे थे, वहीं चीन से दूरी बढ़ना एशिया में अस्थिरता पैदा कर सकता था। ऐसे में भारत ने इस संवाद का स्वागत किया।

मोदी का चीन दौरे का प्लान

जिनपिंग की चिट्ठी और बैकडोर बातचीत का असर यह हुआ कि कुछ ही महीनों में रिश्तों में सकारात्मक माहौल बनने लगा। दोनों देशों ने कई मुद्दों पर बातचीत शुरू की और धीरे-धीरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चीन दौरा तय हुआ। मोदी के दौरे का मकसद यह दिखाना था कि भारत और चीन केवल सीमा विवाद में उलझे नहीं हैं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता में भी उनकी साझा भूमिका है।

भारत-चीन रिश्तों पर असर

इस चिट्ठी और उसके बाद हुई घटनाओं से कुछ बड़े असर देखने को मिले— विश्वास बहाली की शुरुआत: लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बीच एक सकारात्मक संदेश ने भरोसे का माहौल बनाया। व्यापार में संभावना: चीन ने संकेत दिया कि वह भारत को एक भरोसेमंद व्यापारिक सहयोगी के रूप में देखना चाहता है। अमेरिका को संदेश: यह घटनाक्रम अमेरिका को भी अप्रत्यक्ष संदेश था कि चीन अकेला नहीं है, वह भारत जैसे बड़े पड़ोसी देशों को अपने साथ ला सकता है।

चुनौतियां अब भी बाकी

हालांकि यह सच है कि जिनपिंग की सीक्रेट चिट्ठी ने रिश्तों को सुधारने का रास्ता खोला, लेकिन भारत-चीन संबंध आज भी पूरी तरह सहज नहीं हैं। सीमा विवाद, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक प्रतिस्पर्धा और भारत का अमेरिका के साथ बढ़ता गठजोड़, यह सब ऐसे मुद्दे हैं जो भविष्य में नई चुनौतियां खड़ी कर सकते हैं। भारत-चीन रिश्तों का यह नया अध्याय बताता है कि कूटनीति में कई बार एक सीक्रेट चिट्ठी या बैकडोर बातचीत भी बड़े बदलाव ला सकती है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट ने यह साफ किया है कि जिनपिंग ने ट्रम्प की आक्रामक नीतियों से परेशान होकर भारत का रुख किया। इसी के बाद मोदी का चीन दौरा प्लान हुआ और रिश्तों में सुधार की कोशिशें तेज हुईं।

जापान में भारतीय संस्कृति की छटा: गायत्री मंत्र और राजस्थानी भजन से सम्मानित हुए पीएम मोदी

टोक्यो (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दो दिन के जापान दौरे पर टोक्यो पहुंचे। उनके स्वागत का नज़ारा इस बार बेहद खास रहा। आमतौर पर किसी विदेशी दौरे पर पीएम मोदी का स्वागत भारतीय समुदाय के लोग पारंपरिक अंदाज़ में करते हैं, लेकिन इस बार जापानी नागरिक भी भारतीय संस्कृति के रंग में पूरी तरह डूबे दिखाई दिए।

जापानी महिलाओं का भरतनाट्यम और भारतीय भजन

टोक्यो में जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी का काफ़िला पहुंचा, वहां मौजूद जापानी महिलाओं ने पारंपरिक भारतीय नृत्य भरतनाट्यम प्रस्तुत किया। यह नृत्य भारत की शास्त्रीय परंपरा का प्रतीक है और जब इसे विदेशी महिलाएं पेश करती हैं तो यह भारतीय संस्कृति की वैश्विक पहचान को और मज़बूत करता है। भरतनाट्यम के साथ-साथ गायत्री मंत्र और राजस्थानी भजन भी प्रस्तुत किए गए। गायत्री मंत्र की गूंज ने वहां मौजूद हर भारतीय और विदेशी शख़्स को आध्यात्मिकता से भर दिया, जबकि राजस्थानी लोक भजन ने भारतीय लोक-संस्कृति का रंग जमा दिया। यह नज़ारा इस बात का प्रमाण था कि भारतीय संस्कृति केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व के कोने-कोने में लोग इसे अपनाते और संजोते हैं।

प्रवासी भारतीयों का उत्साह

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी टोक्यो के एक होटल में भारतीय मूल के प्रवासी नागरिकों से मिले। वहां का माहौल पूरी तरह देशभक्ति और उत्साह से भरा हुआ था। "मोदी-मोदी", "भारत माता की जय" और "जय श्रीराम" के नारे गूंज रहे थे। लोग तिरंगा झंडा लहरा रहे थे और प्रधानमंत्री के स्वागत में तालियाँ बजा रहे थे। जापान में बसे प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री को यह महसूस कराया कि भले ही वे हज़ारों किलोमीटर दूर रहते हैं, लेकिन उनका दिल अब भी भारत के साथ धड़कता है। उनकी आँखों में गर्व और खुशी साफ झलक रही थी।

ऑपरेशन सिंदूर पर बधाई

इस मुलाक़ात का सबसे बड़ा आकर्षण यह रहा कि प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री को "ऑपरेशन सिंदूर" की सफलता के लिए बधाई दी। हाल ही में भारत ने यह ऑपरेशन कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। विदेशों में रह रहे भारतीयों के लिए यह उपलब्धि गर्व का विषय है, और उन्होंने अपने नेता को इसके लिए धन्यवाद दिया। लोगों ने मोदी से कहा – "वी लव यू मोदी जी"। यह भावनात्मक पल प्रधानमंत्री के लिए भी खास रहा। जब विदेशों में रह रहे भारतीय अपने देश और प्रधानमंत्री के लिए इतनी आत्मीयता और सम्मान दिखाते हैं, तो यह भारत की बढ़ती वैश्विक साख का संकेत है।

सांस्कृतिक और कूटनीतिक महत्व

मोदी के स्वागत में जिस तरह भारतीय और जापानी संस्कृतियाँ एक साथ नज़र आईं, उसका कूटनीतिक महत्व भी है। जापान भारत का प्रमुख रणनीतिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार और तकनीकी सहयोग लगातार मज़बूत हो रहा है। लेकिन सांस्कृतिक रिश्तों की यह डोर रिश्तों को और मजबूत करती है। जापानी महिलाओं द्वारा भरतनाट्यम की प्रस्तुति यह संदेश देती है कि भारत-जापान के रिश्ते सिर्फ़ आर्थिक और रणनीतिक तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक धरातल पर भी गहरे हैं। गायत्री मंत्र और राजस्थानी भजन का गायन यह दिखाता है कि भारतीय सभ्यता विश्वभर के लोगों को जोड़ने की क्षमता रखती है।

प्रवासी भारतीयों की भूमिका

भारत के लिए प्रवासी भारतीय हमेशा एक महत्वपूर्ण स्तंभ माने जाते हैं। वे न केवल विदेशी धरती पर भारतीय संस्कृति की पहचान बनाए रखते हैं, बल्कि भारत और उस देश के बीच सेतु का काम भी करते हैं। जापान जैसे विकसित देश में भारतीय समुदाय की सक्रिय भूमिका दोनों देशों के रिश्तों को नई दिशा देती है। प्रधानमंत्री मोदी भी हर विदेशी दौरे पर प्रवासी भारतीयों से मिलना नहीं भूलते। उनका मानना है कि प्रवासी भारतीय भारत की "सॉफ्ट पावर" हैं और वे दुनिया के सामने भारत की असली तस्वीर पेश करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह जापान दौरा सिर्फ़ राजनीतिक या कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक रूप से भी यादगार बन गया। जापानी महिलाओं का भरतनाट्यम, गायत्री मंत्र की गूंज, राजस्थानी भजन और प्रवासी भारतीयों का उत्साह—यह सब मिलकर इस दौरे को खास बना गया।

मोदी बोले- दुनिया की नजरें ही नहीं, भरोसा भी भारत पर

-जापानी PM ने कहा- भारतीय टैलेंट और जापानी तकनीक एक-दूसरे के लिए बने

नई दिल्ली/ टोक्यो (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय दो दिन के जापान दौरे पर हैं। शुक्रवार को टोक्यो पहुंचने के बाद उन्होंने भारत-जापान जॉइंट इकोनॉमिक फोरम की बैठक को संबोधित किया। अपने संबोधन में मोदी ने भारत को निवेश और नवाचार के लिए सबसे उपयुक्त गंतव्य बताते हुए कहा कि आज दुनिया की नजरें ही नहीं, बल्कि भरोसा भी भारत पर है। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक अहम भूमिका निभा रहा है। एक तरफ जापान टेक्नोलॉजी का पावरहाउस है तो दूसरी तरफ भारत टैलेंट का पावरहाउस है। जब टैलेंट और टेक्नोलॉजी मिलकर काम करते हैं, तभी नेतृत्व और नवाचार के नए आयाम खुलते हैं।

भारत-जापान रिश्तों में नई ऊर्जा

मोदी ने कहा कि भारत और जापान के रिश्ते केवल दो देशों के बीच का संबंध नहीं है, बल्कि यह एशिया और दुनिया के विकास का आधार है। दोनों देशों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं— चाहे वह इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल सेक्टर, ग्रीन एनर्जी हो या फिर स्किल डेवलपमेंट। उन्होंने जापानी कंपनियों को भारत में निवेश का आमंत्रण देते हुए कहा कि भारत में सुधार और सरल नियमों की वजह से यहां कारोबार करना पहले से कहीं ज्यादा आसान हुआ है। भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और यहां युवा आबादी इसे और भी सशक्त बनाती है।

जापानी प्रधानमंत्री का भारत पर भरोसा

मोदी के संबोधन से पहले जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के उत्तराधिकारी और मौजूदा प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने भी भारत की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय टैलेंट और जापानी तकनीक एक-दूसरे के लिए बने हैं। जापान की उन्नत तकनीक जब भारत के युवा कौशल के साथ जुड़ती है तो दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां मिलती हैं। इशिबा ने कहा कि आने वाले समय में जापान और भारत मिलकर न केवल एशिया बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने भारत के नवाचार की क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम की भी तारीफ की।

निवेश और नवाचार पर जोर

मोदी ने कहा कि भारत ने हाल के वर्षों में आर्थिक सुधार, डिजिटल क्रांति और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए हैं। "मेक इन इंडिया" और "स्टार्टअप इंडिया" जैसी योजनाओं ने दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींचा है। उन्होंने जापानी उद्योगपतियों को भरोसा दिलाया कि भारत में उनका निवेश सुरक्षित और लाभदायक रहेगा। मोदी ने कहा कि भारत की "डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर" मॉडल ने दुनिया को दिखाया है कि टेक्नोलॉजी किस तरह आम आदमी की जिंदगी बदल सकती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मो. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,